सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

डॉक्टरों को अब बाहर की दबा लिखने पर..... पेज: 6

जिंदगी को भी गेंम की तरह खेलती हुँ पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 01 | गुरूवार 02 अप्रैल 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

मुंबई एयरपोर्ट पर इंडिगो विमान के बाथरूम में मिले पेपर पर डेंजर लिखा... हड़कंप मच गया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई एयरपोर्ट पर इंडिगो के एक विमान में संदिग्ध टिश्यू पेपर मिलने से हड़कंप मच गया। बाथरूम में पाए गए पेपर पर डेंजर लिखा हुआ था और नीचे खोपड़ी बनी थी। यह घटना तब हुई जब विमान अपनी अगली उड़ान के लिए तैयारी में था। मुंबई पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने पूरे विमान और इलाके की जांच की, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे जांच शुरू कर दी है। इसी बीच, लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एअर इंडिया एक्सप्रेस के एक विमान की इमरजेंसी लैंडिंग हुई। विमान बागडोगरा से दिल्ली जा रहा था और कॉकपिट के इलेक्ट्रिक पैनल (एवियोनिक्स बे) से धुआं निकलने के कारण सुरक्षा कारणों से लखनऊ की ओर मोड़ा गया। विमान शाम 5:18 बजे सुरक्षित रूप से उतरा। विमान में चालक दल के छह सदस्य और 142 यात्री शामिल थे। सभी को सुरक्षित रूप से बाहर निकाला गया। विमानन कंपनी ने यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए अन्य विमानों में जगह दी, कुछ को टिकट की पूरी रकम वापस की गई, और कई को होटल में ठहरने की सुविधा प्रदान की गई। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने बताया कि सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए चालक दल ने समय रहते विमान को लखनऊ में उतारा। दोनों घटनाओं ने हवाई सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया। मुंबई की घटना चेतावनी और सुरक्षा जांच की आवश्यकता दिखाती है, जबकि लखनऊ की घटना विमानन सुरक्षा और आपात स्थिति प्रबंधन की तत्परता को दर्शाती है। यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रही और दोनों मामलों में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत तलाक उसी तारीख से प्रभावी जिस तारीख को उसकी घोषणा की गई हो कोर्ट

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत जब कोई पति तलाक का एलान करता है तो तलाक उसी तारीख से प्रभावी माना जाता है, जिस तारीख को उसकी घोषणा की गई हो बशर्ते कि वह कानून के अनुसार वैध हो। एक मुस्लिम महिला द्वारा भरण-पोषण को लेकर दाखिल क्रिमिनल रिवीजन याचिका पर सुनवाई करते हुए अपने महत्वपूर्ण आदेश में टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने कहा कि यह भी तय है कि जहां कोई पति तलाक देता है और बाद में उसी के संबंध में कोई आदेश पाने के लिए अदालत जाता है तो अदालत द्वारा दिया गया आदेश आमतौर पर केवल घोषणात्मक प्रकृति का होता है। यह केवल उस तलाक की स्थिति को मान्यता देता है या उसकी पुष्टि करता है जो पहले ही हो चुका होता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ऐसी परिस्थितियों में अदालत का आदेश फैसले की तारीख से कोई नया तलाक नहीं करता बल्कि केवल यह घोषित करता है कि क्या तलाक पहले ही वैध रूप से दिया जा चुका था। कोर्ट ने याची पत्नी को राहत देते हुए फैमिली कोर्ट द्वारा भरण-पोषण वाद को लेकर पारित आदेश को रद्द कर दिया। कोर्ट ने याची महिला की याचिका को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए मामले को फैमिली कोर्ट को वापिस भेजने का आदेश दिया ताकि वो याची महिला के भरण-पोषण के दावे पर कानून के अनुसार दोनों पक्षों को सुनवाई का अवसर देने के बाद और कोर्ट द्वारा की गई टिप्पणियों को ध्यान में रखते हुए नए सिरे से और गुण-दोष के आधार पर निर्णय ले सकें।

लोकसभा में 50फीसदी वृद्धि से उत्तरी राज्यों को फायदा, दक्षिण भारत को नुकसान

-केंद्र सरकार के प्रस्ताव पर घमासान, कांग्रेस ने इस कदम को बताया अन्यायपूर्ण

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा की कुल सीटों की संख्या में 50 फीसदी तक की वृद्धि करने के केंद्र सरकार के प्रस्ताव पर घमासान शुरू हो गया है। कांग्रेस ने इस कदम को अन्यायपूर्ण और दक्षिण भारत के हितों के खिलाफ बताया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर दावा किया है कि मोदी सरकार महिला आरक्षण को लागू करने की पृष्ठभूमि में लोकसभा का आकार बढ़ाने के लिए एक विधेयक लाने की तैयारी कर रही है। मीडियचा रिपोर्ट के मुताबिक जयराम रमेश ने कहा कि प्रस्ताव के तहत लोकसभा की कुल सीटों में 50फीसदी की वृद्धि की जाएगी, जिसका सीधा असर हर राज्य को आवंटित सीटों पर पड़ेगा। कांग्रेस का तर्क है कि इससे उत्तरी राज्यों को तो भारी फायदा होगा, लेकिन दक्षिणी, पश्चिमी और पूर्वोत्तर के छोटे राज्यों का संख्याबल कमजोर हो जाएगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि अनुपात फिलहाल नहीं बदल सकता है लेकिन इसके गहरे निहितार्थ हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। रमेश ने कहा कि लोकसभा में कई राज्यों के मौजूदा संख्याबल के अंतर में किसी भी तरह की वृद्धि से दक्षिण भारतीय राज्यों को नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 80 सीट हैं और तमिलनाडु में 39 सीट हैं। प्रस्तावित विधेयक के साथ यूपी की लोकसभा सीट की संख्या बढ़कर 120 हो जाएगी जबकि तमिलनाडु में अधिकतम 59 सीट हो पाएंगी। इसी तरह केरल में लोकसभा की 20 सीट बढ़कर 30 हो जाएंगी, जबकि बिहार में 40 से बढ़कर 60 सीट हो जाएंगी। कुल मिलाकर दक्षिणी राज्यों को 66 सीट का फायदा होगा जबकि उत्तरी राज्यों को 200 सीट का फायदा होगा। रमेश ने दावा किया कि पीएम मोदी एकतरफा कानून तैयार कर रहे हैं जिससे दक्षिण, पूर्वोत्तर और पश्चिम के छोटे राज्यों को नुकसान होगा।

उत्तर भारत में बेमौसम बारिश से खड़ी फसल हुई आड़ी, 19 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

बारामुला में भारी बारिश से स्कूल हास्टल में फंसे 34 लोगों को सेना ने निकाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में मौसम बदलने से किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बुधवार के लिए दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और पंजाब समेत देश के 19 राज्यों में तेज आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। यह बेमौसम बारिश रबी की फसलों, खासकर गेहूं और सरसों, के लिए बेहद हानिकारक साबित हो रहा है। तेज हवाओं और बारिश के कारण खेतों में खड़ी पकी फसलें आड़ी हो गई हैं, जिससे उनके सड़ने और फफूंद लगने का खतरा बढ़ गया है।

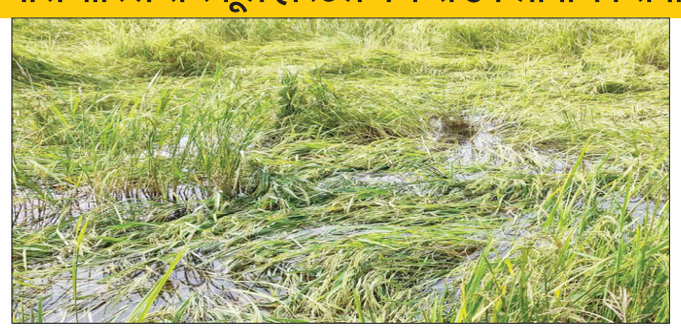

दिल्ली और पंजाब समेत मैदानी इलाकों में मंगलवार को मौसम ने अचानक बदल गया। दिल्ली के कई हिस्सों में हल्की बारिश हुई। दोपहर बाद घने बादल छाने और बिजली कड़कने के साथ मौसम एकदम से बदल गया। दिन में ही लोग गाड़ियों की लाइट जलाकर चलते नजर आए। दिल्ली का अधिकतम तापमान 33.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.1 डिग्री ज्यादा था। हवा में नमी का स्तर 96 से 36 प्रतिशत दर्ज हुआ। पंजाब में कई जिलों में ओलावृष्टि के साथ बारिश भी हुई। रिपोर्ट के मुताबिक कश्मीर के बारामुला में भारी बारिश के कारण पानी का स्तर अचानक बढ़ जाने से एक स्कूल हास्टल में फंसे 34 लोगों को सेना ने सुरक्षित निकाल लिया। इनमें 30 छात्र और चार शिक्षक शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी के बाद फिसलन के कारण श्रीनगर-लेह व बांडीपोरा-गुरेज मार्ग पर भी यातायात बहाल नहीं हो सका।

कश्मीर की गुरेज घाटी में दोपहर को हिमस्खलन हुआ, लेकिन आसपास कोई आवासीय बस्ती नहीं होने के चलते जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है। उधर हिमाचल में बारालाचा, कुंजुम और रोहतांग दर्रा में मंगलवार को हल्का हिमपात हुआ, जबकि केलंग में पांच, चंबा में दो मिलीमीटर बारिश हुई। कश्मीर में तेज और मूसलाधार बारिश के कारण रफियाबाद के वतरगाम इलाके में एक नाले में पानी का स्तर अचानक बढ़ गया, जिससे एक स्थानीय स्कूल हास्टल में बाढ़ आ गई। इससे वहां स्कूली बच्चे और शिक्षक परिसर के अंदर फंस गए। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में तैनात सेना की टुकड़ी से संपर्क किया, जिसने तुरंत मानवीय सहायता अभियान शुरू किया। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों और खतरनाक रूप से ऊंचे जल स्तर के बावजूद टीमों ने फंसे हुए लोगों तक पहुंचने में सफलता पाई और सभी 34 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया। हिमाचल प्रदेश में गोंदला व केलंग जैसे उच्च इलाकों में मंगलवार को हिमपात हुआ। बीआरओ ने 16580 फीट ऊंचे शिंकुला के रास्ते को बहाल कर दिया है।

'समुद्री पौधा' बताकर जैन व्यापारी को मछली खिलाने का आरोप, बाबा अशोक खरात की बढ़ीं मुश्किलें

-यौन उत्पीड़न और आपत्तिजनक वीडियो मामले में पहले से हैं घिरे

पुणे (एजेंसी)। अशोक खरात नामक स्वयंभू बाबा पर महाराष्ट्र में अब दिन-ब-दिन चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। जांच में खुलासा हुआ है कि उन्होंने जैन समुदाय के व्यापारियों को धोखा देकर मछली को 'समुद्री पौधा' बताकर वर्षों तक उसका सेवन करवाया। यह धोके का कारोबार एक-दो दिन या महीने नहीं बल्कि छह साल तक चलता रहा।

जांच अधिकारियों के मुताबिक, एक 46 वर्षीय जैन व्यापारी करीब छह वर्षों तक खरात के संपर्क में रहा। इस दौरान वह नियमित रूप से धार्मिक अनुष्ठानों के लिए उनके पास जाता रहा और अनजाने में मछली खाता रहा। उसे यह विश्वास दिलाया गया था कि यह कोई जीव नहीं बल्कि समुद्र में उगने वाला पौधा है, जिससे व्यापार में उन्नति और समृद्धि आती है। आरोप है कि खरात ने अपने अनुयायियों को गुमराह करने के लिए दावा किया कि मछली में हड्डियां नहीं होतीं और वह खून भी नहीं बहाती, इसलिए उसे पौधे की तरह माना जा सकता है। इन दलीलों के जरिए उन्होंने कई लोगों से लाखों रुपये भी वसूले।

धोखाधड़ी का बड़ा नेटवर्क

जांच एजेंसियों का मानना है कि यह मामला सिर्फ धार्मिक आस्था से खिलवाड़ का नहीं, बल्कि एक सुनियोजित ठगी का हिस्सा है। कई बड़े व्यापारी भी उनके प्रभाव में आकर उनसे व्यापार और भविष्य को लेकर सलाह लेते थे।

आपत्तिजनक वीडियो और यौन उत्पीड़न के आरोप

कथित बाबा के मामले ने उस समय और गंभीर रूप ले लिया, जब इससे जुड़े आपत्तिजनक वीडियो के प्रसार का मामला सामने आया। राज्यभर में 100 से अधिक केस दर्ज किए गए हैं, जबकि विशेष जांच टीम ने सोशल मीडिया से करीब 3,500 लिंक हटाए हैं। पुलिस के अनुसार, अशोक खरात को 17 मार्च को नासिक

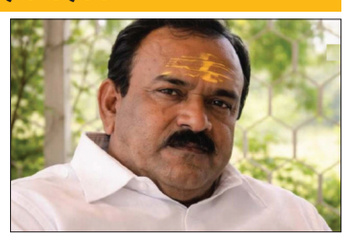

से गिरफ्तार किया गया था। अब तक उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के 11 मामले दर्ज हो चुके हैं।

जांच जारी, और खुलासों की संभावना

अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं। यह घटना धार्मिक आस्था के नाम पर होने वाले धोखे और अंधविश्वास को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है।

फीस भरने के लिए छात्र ने बेची किडनी, रकम के विवाद में हुआ बड़े अंतरराष्ट्रीय रैकेट का भंडाफोड़

- सौदा नौ लाख रुपये में तय हुआ लेकिन मिले केवल साढ़े तीन लाख

- पीड़ित छात्र खुद भी साइबर अपराधों से जुड़ा रहा

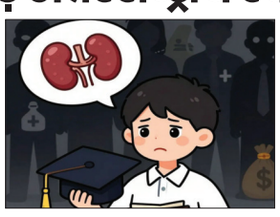

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के एक प्रतिष्ठित कॉलेज में एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर की पढ़ाई कर रहे एक छात्र द्वारा अपनी फीस जमा करने के लिए किडनी बेचने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बिहार के समस्तीपुर का रहने वाला आयुष कुमार नामक यह छात्र उस समय पुलिस की नजरों में आया जब किडनी निकालने के बाद सौदा करने वाले गिरोह ने उसे पूरी रकम नहीं दी और वह अपनी शेष राशि मांगने पुलिस के पास पहुंच गया। छात्र ने पुलिस को बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होने और पिता की आत्महत्या के बाद पढ़ाई छूटने के डर से उसने यह घातक कदम उठाया। छात्र के मुताबिक, शुरुआत में सौदा नौ लाख रुपये में तय हुआ था, लेकिन ऑपरेशन के बाद आरोपियों ने केवल साढ़े तीन लाख रुपये ही दिए। जांच में सामने आया है कि आयुष करीब छह महीने पहले टेलीग्राम पर एक किडनी डोनर ग्रुप के संपर्क में आया था। वह पहले शिक्षा ऋण (लोन) लेकर फीस भरना चाहता था, लेकिन सफलता न मिलने पर उसने किडनी बेचने का निर्णय लिया। उसे डॉक्टर अफजल और डॉक्टर वैभव कानपुर लेकर आए थे, जहां उसका ऑपरेशन किया गया। हालांकि, पुलिस की जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि पीड़ित छात्र खुद भी साइबर अपराधों से जुड़ा रहा है और उसने कई फर्जी म्यूल अकाउंट बनवाए थे, जिसकी जांच की जा रही है।

इस मामले की गहराई से पड़ताल करने पर पुलिस ने एक बड़े अवैध किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का पर्दाफाश किया है। कानपुर पुलिस ने इस सिलसिले में आईएमए की उपाध्यक्ष डॉ. प्रीति आहूजा समेत पांच डॉक्टरों और एक दलाल को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान लखनऊ और नोएडा के कई बड़े अस्पताल भी पुलिस के रडार पर आ गए हैं, जहां गंभीर स्थिति होने पर मरीजों को अवैध रूप से शिफ्ट किया जाता था। एसीपी आशुतोष कुमार के अनुसार, इन अस्पतालों की भूमिका संदिग्ध है और जल्द ही कुछ और बड़ी गिरफ्तारियां संभव हैं। फिलहाल पुलिस फरार चल रहे दो अन्य डॉक्टरों और चार सहयोगियों की तलाश में जुटी है, जो इस अवैध मानव अंग व्यापार के नेटवर्क को संचालित कर रहे थे।

अपने भीतर के हनुमान को जगाने का पर्व

ललित गर्ग

हनुमान जयंती हमें यही संदेश देती है कि महानता शक्ति में नहीं, शक्ति के सदुपयोग में है; ज्ञान में नहीं, ज्ञान की विनम्रता में है; भक्ति में नहीं, भक्ति के समर्पण में है। इस हनुमान जयंती पर हमें संकल्प लेना चाहिए- हम शक्ति का प्रदर्शन नहीं, संरक्षण करेंगे। हम ज्ञान का अहंकार नहीं, विनम्रता रखेंगे। हम भक्ति का प्रदर्शन नहीं, जीवन में समर्पण लाएंगे। हम अपने भीतर के हनुमान को जगाएंगे। यदि हर व्यक्ति अपने भीतर के हनुमान को जगा ले, तो परिवार सुधर जाएगा, समाज सुधर जाएगा, राष्ट्र सुधर जाएगा और मानवता का भविष्य उज्ज्वल हो जाएगा।

हनुमान जयंती केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानव जीवन के चरित्र-निर्माण, आत्मबल, संयम, सेवा और समर्पण की प्रेरणा देने वाला महान दिवस है। यह दिन हमें मंदिरों में दीप जलाने से अधिक अपने भीतर के अंधकार को दूर करने का संदेश देता है। हनुमान केवल शक्ति के प्रतीक नहीं हैं, वे शक्ति के सदुपयोग, ज्ञान की विनम्रता, भक्ति की पराकाष्ठा और सेवा की परंपरा के प्रतीक हैं। इसलिए हनुमान जयंती मनाने का वास्तविक अर्थ है- अपने भीतर के हनुमान को जगाना। हनुमान जी को मंगलकर्ता और विघ्नहर्ता कहा गया है। लेकिन वे विघ्न केवल बाहरी नहीं हटाते, वे मनुष्य के भीतर के विघ्न- अहंकार, भय, आलस्य, क्रोध, लोभ, मोह, इन सबका भी नाश करते हैं। आज का मनुष्य बाहरी समस्याओं से कम और आंतरिक कमजोरियों से अधिक परेशान है। इसलिए आज हनुमान की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक है।

हनुमान शक्ति के प्रतीक हैं, लेकिन उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने कभी अपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने अपनी शक्ति को सेवा में लगाया। आज का युग शक्ति प्रदर्शन का युग बन गया है-धन का प्रदर्शन, पद का प्रदर्शन, ज्ञान का प्रदर्शन, शक्ति का प्रदर्शन। लेकिन हनुमान हमें सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का प्रदर्शन नहीं, उसका संरक्षण और सदुपयोग ही महानता है। सर्वशक्तिमान होकर भी उन्होंने स्वयं को ह्लराम का दासह्व कहा। इससे बड़ी विनम्रता और क्या हो सकती है? हनुमान हमें यह भी सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का अहंकार नहीं होना चाहिए। ज्ञान यदि विनम्रता नहीं देता, तो वह अज्ञान है। शक्ति यदि सेवा में नहीं लगती, तो वह विनाश का कारण बनती है। इसलिए हनुमान शक्ति और ज्ञान के साथ-साथ विनम्रता और सेवा के भी प्रतीक हैं।

हनुमान को ज्ञानियों में अग्रगण्य कहा गया है- 'ज्ञानिनामग्रगण्यम'। वे केवल बलवान नहीं थे, वे महान विद्वान, व्याकरणाचार्य, तर्कशास्त्री, संगीतज्ञ और नीतिज्ञ भी थे। लेकिन इतनी विद्या होने पर भी उनमें अहंकार नहीं था। वे सरलता, सादगी और सेवा के प्रतीक बने रहे। आज शिक्षा बढ़ रही है, लेकिन विनम्रता घट रही है। डिग्रियाँ बढ़ रही हैं, लेकिन चरित्र घट रहा है। ऐसे समय में हनुमान का चरित्र हमें ज्ञान के साथ विनम्रता का संतुलन सिखाता है। हनुमानजी को हिन्दू देवताओं में सबसे शक्तिशाली माना गया है, वे रामायण जैसे महाग्रंथ के सह पात्र थे। वे भगवान शिव के ग्यारवें रूद्र अवतार थे जो श्रीराम की सेवा करने और उनका साथ देने त्रेता युग में अवतरित हुए थे। उनको बजरंग बलि, मारुतिनंदन, पवनपुत्र, केशरीनंदन आदि अनेकों नामों से पुकारा जाता है। उनका एक नाम वायुपुत्र भी है, उन्हें वातात्मज भी कहा गया है अर्थात वायु से उत्पन्न होने वाला।

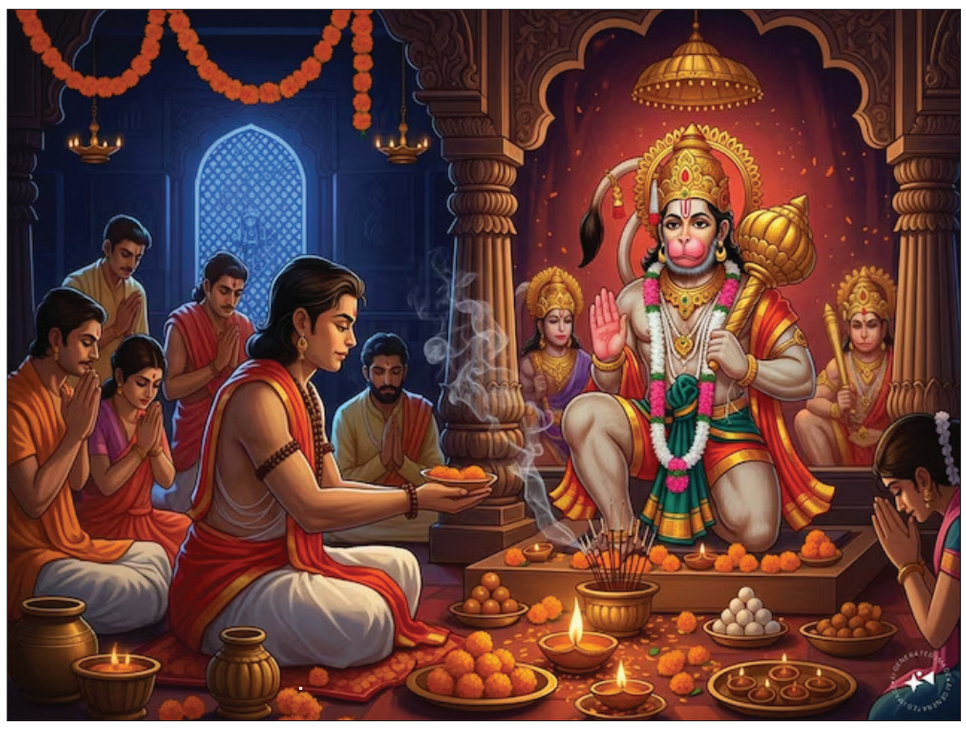

इन्हें सात चिरंजीवियो में से एक माना जाता है। वे सभी कलाओं में सिद्धहस्त एवं माहिर थे। वीरो में वीर, बुद्धिजीवियों में सबसे विद्वान। इन्होंने अपने पराक्रम और विद्या से अनेकों कार्य चुटकीभर समय में पूर्ण कर दिए है। वे शौर्य, साहस और नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। समर्पण एवं भक्ति उनका सर्वाधिक लोकप्रिय गुण है। रामभक्त हनुमान बल, बुद्धि और विद्या के सागर तो थे ही, अष्ट सिद्धि और नौ निधियों के दाता और ज्योतिष के भी प्रकांड विद्वान थे।

हनुमान के जीवन में तीन महान तत्व दिखाई देते हैं-ज्ञान, भक्ति और कर्म। ज्ञान उन्हें दिशा देता है, भक्ति उन्हें प्रेरणा देती है और कर्म उन्हें महान बनाता है। यदि किसी व्यक्ति के जीवन में ज्ञान है पर कर्म नहीं, तो वह अधूरा है। यदि कर्म है पर भक्ति नहीं, तो उसमें संवेदना नहीं होगी। यदि भक्ति है पर ज्ञान नहीं, तो वह अंधविश्वास बन सकती है। इन तीनों का समन्वय यदि किसी चरित्र में दिखाई देता है, तो वह हनुमान का चरित्र है। हनुमान का जीवन संयम का जीवन था। वे बलशाली थे, पर ब्रह्मचारी थे। वे विद्वान थे, पर विनम्र थे। वे वीर थे, पर शांत थे। वे शक्तिशाली थे, पर सेवक थे। यह संतुलन ही उन्हें महान बनाता है। आज मनुष्य के पास साधन हैं, पर संयम नहीं। ज्ञान है, पर दिशा नहीं। शक्ति है, पर सेवा नहीं। इसलिए समाज में अशांति बढ़ रही है। हनुमान का जीवन हमें संयम और संतुलन का संदेश देता है।

हनुमान के बाल स्वरूप की कथा भी अत्यंत प्रेरणादायक है। बालक हनुमान ने सूर्य को फल समझकर पकड़ने का प्रयास किया। यह केवल एक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि एक महान संदेश है। यह बालकों की असीम जिज्ञासा, उत्साह और ऊर्जा का प्रतीक है। यह कथा समाज को संदेश देती है कि बच्चों की जिज्ञासा को दबाया नहीं जाना चाहिए, उसे सही दिशा देनी चाहिए। यदि बालकों को सही मार्गदर्शन मिले, तो उनमें से हर बालक हनुमान बन सकता है-ऊर्जावान, जिज्ञासु, साहसी और रचनात्मक। आज के माता-पिता और समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि वे बच्चों में हनुमान जैसे गुण विकसित करें-साहस, जिज्ञासा, अनुशासन, सेवा, विनम्रता और भक्ति। यदि बचपन में ही यह संस्कार मिल जाएं, तो समाज का भविष्य उज्ज्वल हो सकता है। हनुमान भक्ति का वास्तविक अर्थ भी समझना जरूरी है। हनुमान भक्ति केवल चालीसा पढ़ना नहीं है, बल्कि हनुमान के गुणों को जीवन में उतारना है।

हनुमान भक्ति का अर्थ है- अहंकार छोड़ना, सेवा करना, सत्य का साथ देना, संयम रखना, कर्तव्य निभाना और अपने जीवन को किसी महान उद्देश्य से जोड़ना। जब तक भक्ति केवल मंदिर तक सीमित रहेगी, तब तक भगवान अलग रहेंगे और भक्त अलग रहेगा। जब भक्ति जीवन बन जाती है, तब भगवान और भक्त अलग नहीं रहते। हनुमान की भक्ति प्रदर्शन नहीं, आत्मपरिवर्तन की प्रक्रिया है। यह भक्ति व्यक्ति को भीतर से बदल देती है-अहंकार की जगह विनम्रता, क्रोध की जगह क्षमा, भय की जगह साहस और निराशा की जगह आशा भर देती है। आज समाज में सबसे बड़ी समस्या शक्ति की नहीं, चरित्र की है; ज्ञान की नहीं, दिशा की है; साधनों की नहीं, संयम की है। इसलिए आज समाज को हनुमान की जरूरत है-मंदिरों में नहीं, जीवन में; मूर्तियों में नहीं, व्यक्तित्व में। हर व्यक्ति के भीतर एक हनुमान सोया हुआ है- किसी में साहस का हनुमान, किसी में सेवा का हनुमान, किसी में ज्ञान का हनुमान, किसी में भक्ति का हनुमान। जरूरत केवल उसे जगाने की है।

अपने भीतर के हनुमान को जगाने का अर्थ है- अपने भीतर के भय को हराना, अपने भीतर के अहंकार को मिटाना, अपने भीतर की शक्ति को सेवा में लगाना, अपने ज्ञान को समाज के काम में लगाना, अपने जीवन को किसी महान उद्देश्य से जोड़ना। यदि हनुमान जयंती पर हम केवल पूजा करें और जीवन न बदलें, तो यह पर्व अधूरा है। यदि हम अपने जीवन में साहस, सेवा, संयम, विनम्रता और भक्ति का एक भी गुण उतार लें, तो हनुमान जयंती सार्थक हो जाएगी। आज आवश्यकता मंदिरों में हनुमान खोजने की नहीं, अपने भीतर हनुमान जगाने की है। जब व्यक्ति के भीतर हनुमान जागेगा, तब उसका भय समाप्त होगा। जब समाज के भीतर हनुमान जागेगा, तब अन्याय समाप्त होगा। जब राष्ट्र के भीतर हनुमान जागेगा, तब कमजोरी समाप्त होगी।

हनुमान जयंती हमें यही संदेश देती है कि महानता शक्ति में नहीं, शक्ति के सदुपयोग में है; ज्ञान में नहीं, ज्ञान की विनम्रता में है; भक्ति में नहीं, भक्ति के समर्पण में है। इस हनुमान जयंती पर हमें संकल्प लेना चाहिए- हम शक्ति का प्रदर्शन नहीं, संरक्षण करेंगे। हम ज्ञान का अहंकार नहीं, विनम्रता रखेंगे। हम भक्ति का प्रदर्शन नहीं, जीवन में समर्पण लाएंगे। हम अपने भीतर के हनुमान को जगाएंगे। यदि हर व्यक्ति अपने भीतर के हनुमान को जगा ले, तो परिवार सुधर जाएगा, समाज सुधर जाएगा, राष्ट्र सुधर जाएगा और मानवता का भविष्य उज्ज्वल हो जाएगा। यही हनुमान जयंती का वास्तविक संदेश है- अपने भीतर के हनुमान को जगाइए, जीवन को शक्ति, ज्ञान, भक्ति और सेवा का संगम बनाइए।

संपादकीय

विवाह बनाम स्वतंत्रता

आधुनिकता के संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहे वयस्कों के रिश्तों को लेकर समय-समय पर देश की विभिन्न अदालतों के फैसले सामने आते रहे हैं। उनमें कई विरोधाभास भी नजर आते रहे हैं। इसी तरह इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो हालिया फैसलों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विवाह संस्था के बीच पैदा हुई नाजुक खाई को ही उजागर किया है। जहां एक मामले में, न्यायालय का कहना था कि वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बना लिव इन रिलेशनशिप, भले ही एक साथी विवाहित हो, अब अपराध की श्रेणी में नहीं आता। अब भले ही विवाह संस्था के पारंपरिक स्वरूप को मानने वाले इस बात को स्वीकार न करें, लेकिन इससे जुड़े हुए तमाम यक्ष प्रश्न जरूर हमारे सामने हैं। वहीं एक अन्य घटनाक्रम में न्यायालय ने एक ऐसे ही दंपति को संरक्षण देने से इनकार कर दिया। अदालत का कहना था कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर पति या पत्नी के कानूनी अधिकारों को कमजोर करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। यह स्पष्ट विरोधाभास वास्तव में एक गहरी कानूनी रिक्तता को ही प्रतिबिंबित करता है। दरअसल, भारतीय कानून ने संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार के हिस्से के रूप में, परंपरागत भारतीय समाज में लिव इन रिलेशनशिप को मान्यता देने की दिशा में सावधानीपूर्वक ही कदम बढ़ाया है। इसके बावजूद भी, यह विवाह को एक कानूनी रूप से स्वीकृत संस्था के रूप में सर्वोच्च प्राथमिकता देता रहा है। जिसके अंतर्गत वयस्कों के अपने अधिकार और दायित्व भी हैं। निर्विवाद रूप से, जिन्हें आसानी से दरकिनार भी नहीं किया जा सकता है। इस परिणाम के मूल में एक न्यायिक विसंगति भी है। जहां न्यायालय लिव इन रिलेशन को अपराध की श्रेणी से तो बाहर कर देता है, लेकिन उनके परिणामों को वैध ठहराने से हिचकिचाता है। दरअसल, वयस्कों के रिश्तों में यह तनाव सिर्फ कानूनी ही नहीं बल्कि सामाजिक और नैतिक भी है। निर्विवाद रूप से, आज भारतीय समाज एक बड़े संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहा है। जिसमें भारतीय परंपरागत जीवन मूल्यों तथा तेजी से बदलते रिश्तों के बीच का एक द्वंद्व भी शामिल है। यह एक हकीकत है कि आधुनिक जीवन में रिश्तों में स्वतंत्रता की बयार स्त्री की आर्थिक आत्मनिर्भरता से परवान चढ़ी है।

चिंतन-मनन

सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय रंगमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है, राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीति-निपुण व्यक्तित्व से नहीं है, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरी महत्व दे; किंतु उस विदूषक-विशारद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवनति के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता हो। राजनेता का अर्थ राष्ट्र को गति की दिशा में अग्रसर करने वाला नहीं, अपने दल को सत्ता की ओर अग्रसर करने वाला रह गया है। यही कारण है कि आज राष्ट्र गौण है, दल प्रमुख है। सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख है। चरित्र गौण है, कुर्सी प्रमुख है। एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र, न्याय-सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं, किंतु आज कुशल राजनेता वही है, जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो, अपनी कुर्सी के लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने का जिसमें साहस या दुस्साहस हो।

बहुत बार मन में प्रश्न उभरता है, क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र, समाज, दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्ण भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है? जनता की कोमल भावनाओं का शोषण करके सत्तासीन होने के बाद क्या राजनेता का व्यक्तित्व जनता और राष्ट्र से भी बड़ा हो जाता है? यदि ऐसा नहीं है तो आज की राजनीति क्यों अपने प्रिय पुत्रों, संबंधियों और चमचों-चाटुकारों के चप्रव्यूह में फंसकर रह गई है? राष्ट्र को स्थिर नेतृत्व प्रदान करने के नाम पर क्यों सिद्धांतहीन समझौते और स्तरहीन कलाबाजियां दिखाई जा रही हैं? संप्रदायवाद, जातिवाद, भाषावाद और प्रांतवाद को भड़का करके क्यों सत्ता की गोटियां बिठाई जा रही हैं? आज की राजनीति को देखकर मन ग्लानि और वितृष्णा से भर जाता है। आखिर यह सबकुछ कब तक चलता रहेगा?

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जाना तय

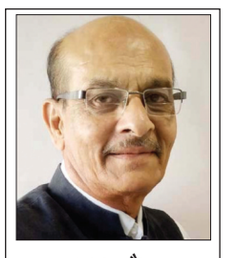

सनत जैन

अमेरिका का राजा ट्रंप नहीं- जनता... दुनिया का सबसे ताकतवर देश, अमेरिका इस वक्त अपने देश और वैश्विक स्तर पर दोनों तरफ से भारी दबाव में नजर आ रहा है। एक तरफ पश्चिम एशिया में ईरान के साथ लड़ाई जारी है, दूसरी तरफ देश के अंदर ही ट्रंप के खिलाफ लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर है और लोग सड़कों पर उतर आए हैं। शनिवार को अमेरिका के सभी 50 राज्यों में बड़े पैमाने पर 3300 से ज्यादा स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए। इन प्रदर्शनों का नाम था- नो किंग्स देश में कोई राजा नहीं चलेगा। लोकतंत्र में राजा जनता है। अमेरिका ही नहीं बल्कि यूरोप, लैटिन अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का विरोध हो रहा है। सवाल उठता है, आखिरकार यह आंदोलन कितना बड़ा है? ट्रंप के खिलाफ विरोध की यह तीसरी बड़ी लहर है। इससे पहले भी लाखों लोग सड़कों पर उतर चुके हैं। इस बार का आंकड़ा सबसे बड़ा है। अमेरिका के सभी राज्यों में इस आंदोलन की आग फैल गई है। 3300 से ज्यादा जगहों पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। इस आंदोलन की खास बात यह है, यह शहरों के साथ-साथ गांवों में भी देखने को मिला है। लोगों ने खुलकर अपना विरोध जताया है। इस बार सबसे बड़ा विरोध मिनसोटा की राजधानी सेंट पॉल में हुआ। जहां मशहूर सिंगर ब्रूस प्रिंस्टीन ने भी आंदोलन में भाग लिया, और एक खास गाना गाया। जो हाल की एक दुखद घटना से जुड़ा हुआ था। उनके साथ कई बड़े सेलिब्रिटी जिसमें एक्टर्स, नेता और सामाजिक कार्यकर्ता भी आंदोलन के मंच पर नजर आए। सवाल उठता है, अमेरिका और आस-पास के देश के लोगों में आखिर किस बात का गुस्सा भरा है? प्रदर्शन करने वालों के पास कम प्रशासन की शिकायतों की लंबी फेहरिस्त थी। सबसे ज्यादा नाराजगी ट्रंप सरकार की इमीग्रेशन नीति को लेकर है। लोगों का मानना है, सख्ती और छापेमारी से आम लोग डर और भय के साथ जी रहे हैं। इसके अलावा ईरान के साथ चल रहे संघर्ष का विरोध, ट्रांसजेंडर के अधिकारों में कटौती, अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई जैसे मुद्दों पर लोगों ने खुलकर आवाज उठाई है। वाशिंगटन, न्यूयॉर्क और सैंडियागो जैसे शहरों में हजारों लोग सड़कों पर उतरे। बैनर और नारों के साथ सरकार के खिलाफ यहां पर भारी गुस्सा दिखा। ट्रंप के खिलाफ विरोध के असर की बात की जाए, तो यह विरोध अमेरिका तक सीमित नहीं रहा। यूरोप के कई देशों में लोग इसी तरह के संदेश के साथ ट्रंप के विरोध में सड़कों पर उतरे हैं। कहीं तानाशाही के खिलाफ तो कहीं युद्ध के खिलाफ नारे लगे। यूरोप के देशों में अच्छीखासी भीड़ सड़कों पर देखने को मिली। रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने भी हाल ही में बैठक से बहिष्कार कर ट्रंप की नीतियों का विरोध किया। ट्रंप समर्थकों का कहना है, इन प्रदर्शनों को ज्यादा अहमियत नहीं है। उनका कहना है कि यह सब राजनीतिक एजेंडा है। ट्रंप के विरोध में जो तस्वीर जमीन पर दिख रही है, उसके अनुसार जिस तरह संसद और रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों और विशिष्ट वर्ग में राष्ट्रपति ट्रंप का विरोध बढ़ रहा है। उनके ऊपर हाल ही में इनसाइडर ट्रेडिंग के आरोप लगे हैं। संसद से अनुमति लिए बिना ट्रंप ने यह युद्ध छेड़ा है। जिसके कारण वह संसद में अलग-थलग पड़ रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ कुछ ऐसे राज्यों में भी प्रदर्शन हुए हैं, जहां ट्रंप को भारी समर्थन मिला था। अमेरिका में माहौल इन दिनों काफी गर्म है। पिछले कुछ महीनो में महंगाई काफी तेजी के साथ बढ़ी है। अमेरिका एक तरफ बाहरी तनाव, दूसरी तरफ आंतरिक विरोध से जूझ रहा है। दोनों स्थितियों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दिन-प्रतिदिन कमजोर होते चले जा रहे हैं। आने वाले समय में यह आंदोलन किस दिशा में जाएगा, यह देखना अहम होगा। अमेरिका और इजरायल ने जिस तरह से ईरान पर आक्रमण किया है, इसका असर अब सारी दुनिया के देशों पर पड रहा है। ट्रंप की नीतियों के कारण डॉलर मुद्रा और पेट्रोल डॉलर व्यापार को काफी नुकसान हुआ है जिसका असर अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर भी पढ़ रहा है। ट्रंप के समय में कर्ज भी तेजी के साथ बढ़ा है। महंगाई और बेरोजगारी के कारण आम नागरिक बहुत परेशान हैं। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की इमेज साइको के रूप में देखने को मिल रही है। जिसके कारण राजनीतिक क्षेत्र में कहा जा रहा है, कि डोनाल्ड ट्रंप शायद ही अपना कार्यकाल पूरा कर पाएं। जिस तरह से उन्होंने अमेरिका को मुसीबत में फंसाया है। डेमोक्रेटिक के साथ-साथ रिपब्लिकन सांसद भी उनके विरोध में खड़े हो रहे हैं। जिसके कारण ज्यादा दिनों तक राष्ट्रपति पद पर बने रहना उनके लिए आसान नहीं होगा।

होर्मुज संकट से बेहाल दुनिया को चीन की ऊर्जा नीति से सीख लेनी चाहिए

नीरज कुमार दुबे

वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच एक सख्त सच्चाई उभर कर सामने आ रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य पर मंडराते खतरे ने पूरी दुनिया की सांसें रोक दी हैं, लेकिन इस उथल पुथल के बीच चीन एक अलग ही खेल खेलता नजर आ रहा है। जहां एशिया के कई देश ऊर्जा बचाने की अपील कर रहे हैं, वहीं चीन आत्मविश्वास से भरा हुआ है और दावा कर रहा है कि उसके पास ऊर्जा का पर्याप्त रणनीतिक भंडार है।

दरअसल, यह आत्मविश्वास यूं ही नहीं आया। चीन ने पिछले कई वर्षों में एक ऐसी रणनीति तैयार की है जिसने उसे वैश्विक तेल आपूर्ति के झटकों से काफी हद तक सुरक्षित बना दिया है। जब दुनिया तेल के लिए समुद्री मार्गों पर निर्भर है, चीन ने अपनी निर्भरता को योजनाबद्ध तरीके से कम किया है।

सबसे बड़ा बदलाव चीन के इलेक्ट्रिक वाहन अभियान में दिखता है। जहां 2020 में लक्ष्य रखा गया था कि 2025 तक नए वाहनों में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी इलेक्ट्रिक वाहनों की होगी, वहीं यह आंकड़ा अपेक्षा से कहीं आगे निकल गया और आधे से ज्यादा नई गाड़ियां इलेक्ट्रिक हो गईं। इसका सीधा असर यह हुआ कि चीन की तेल खपत अब स्थिर होने लगी है।

आंकड़े बताते हैं कि केवल इलेक्ट्रिक वाहनों के कारण जितना तेल बचा है, वह लगभग उतना ही है जितना चीन सऊदी अरब से आयात करता था। यह बदलाव मामूली नहीं है, बल्कि यह ऊर्जा भू राजनीति की दिशा बदलने वाला संकेत है।

चीन की दूसरी सबसे बडी ताकत उसका विविधीकृत आयात तंत्र है। जहां जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश एक या दो आपूर्तिकताओं पर निर्भर हैं, वहीं चीन ने अपने तेल स्त्रोतों को आठ से ज्यादा देशों में फैला रखा है। रूस, ईरान, वेनेजुएला जैसे देशों से सस्ता तेल लेकर उसने पश्चिमी प्रतिबंधों को भी अपने हित में बदल लिया है। रणनीतिक दृष्टि से यह कदम बेहद महत्वपूर्ण है। इसका मतलब है कि यदि किसी एक क्षेत्र में संकट आता है, तो चीन पूरी तरह ठप नहीं होगा।

तीसरा और सबसे खतरनाक दांव है चीन का विशाल तेल भंडार। अनुमान है कि उसके पास इतना तेल जमा है कि वह होर्मुज मार्ग बंद होने की स्थिति में करीब सात महीने तक अपनी जरूरतें पूरी कर सकता है। यह भंडारण केवल आर्थिक सुरक्षा नहीं बल्कि सामरिक हथियार भी है। देखा जाये तो ऊर्जा सुरक्षा के इस खेल में चीन ने केवल तेल पर ही भरोसा नहीं किया है। उसकी बिजली व्यवस्था लगभग आत्मनिर्भर हो चुकी है। कोयले और तेजी से बढ़ती नवीकरणीय ऊर्जा के दम पर चीन ने अपने ग्रिड को बाहरी निर्भरता से लगभग मुक्त कर लिया है।

इसके साथ ही सौर और पवन ऊर्जा का विस्फोटक विस्तार इस बात का संकेत है कि चीन भविष्य की ऊर्जा लड़ाई के लिए पहले ही तैयार है। इसका सीधा असर यह हुआ है कि उसे कम एलएनजी आयात करना पड रहा है और तटीय इलाकों की निर्भरता भी घट रही है। गैस के मामले में भी चीन ने चालाकी दिखाई है। पाइपलाइन नेटवर्क के जरिए उसने रूस, मध्य एशिया और म्यांमार से सीधी आपूर्ति सुनिश्चित कर ली है। इससे समुद्री मार्गों पर निर्भरता और कम हो गई है। सामरिक नजरिए से देखें तो यह पूरी रणनीति एक गहरी सोच का परिणाम है। चीन ने समझ लिया था कि भविष्य की जंग केवल हथियारों से नहीं बल्कि ऊर्जा पर नियंत्रण से जीती जाएगी।

आज जब होर्मुज जलडमरूमध्य पर खतरा मंडरा रहा है, तब भारत, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश चिंता में डूबे हुए हैं। लेकिन चीन इस संकट को अवसर में बदलने की स्थिति में है। सबसे बड़ी बात यह है कि चीन की तेल मांग अब चरम पर पहुंचकर घटने की ओर बढ़ रही है। इसका मतलब है कि आने वाले समय में उसकी आयात निर्भरता और कम होगी, जिससे वैश्विक बाजार में उसकी स्थिति और मजबूत होगी।

बहरहाल, यह पूरा घटनाक्रम एक साफ संदेश देता है। जो देश समय रहते अपनी ऊर्जा रणनीति नहीं बदलेंगे, वे आने वाले संकटों में बुरी तरह फंस सकते हैं। चीन ने यह साबित कर दिया है कि दीर्घकालिक योजना, आक्रामक निवेश और रणनीतिक विविधीकरण के दम पर किसी भी वैश्विक संकट को मात दी जा सकती है। अब सवाल यह है कि क्या बाकी दुनिया इस सबक को समझेगी या फिर अगला संकट उन्हें पूरी तरह झकझोर देगा।

अमरोहा
गुरुवार 02 अप्रैल 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

प्रशासन की मध्यस्था से निपटा अंबेडकर जयंती हसनपुर का विवाद

सर्व सम्मति से अम्बेडकर जयंती के संयुक्त अध्यक्ष बने विनोद कुमार गौतम व चंचल सागर

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- अंबेडकर जयंती को लेकर पिछले दो महीने से चल रही खींचतान आखिरकार कल समाप्त हो गई। कोतवाली परिसर में उपजिलाधिकारी हसनपुर,पुलिस क्षेत्राधिकारी हसनपुर एवं प्रभारी निरीक्षक हसनपुर की उपस्थिति में दोनों पक्षों 15-15 व्यक्तियों की मौजूदगी में बैठक का आयोजन हुआ। जिसमें दोनों पक्षों को सुनने के बाद तय हुआ कि अबकी बार संयुक्त रूप से दो अध्यक्ष बनाकर उनके नेतृत्व में अंबेडकर जयंती मनाई जाएगी। अंबेडकर जयंती की जिम्मेदारी के लिए वरिष्ठ शिक्षक एवं अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ के महामंत्री विनोद कुमार गौतम एवं पूर्व अध्यक्ष चंचल सागर को संयुक्त रूप से अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस बार जयंती का आयोजन पूर्व की तरह ही डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समिति हसनपुर के तत्वाधान में अच्छे से संपन्न होगा। प्रशासन के द्वारा दोनों पक्षों के सहयोग से किए गए निर्णय से अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ के पदाधिकारी व डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समिति हसनपुर के पदाधिकारी गणों ने आभार व्यक्त किया। साथ ही सर्वसम्मति से यह भी तय हुआ कि अम्बेडकर जयंती के निमंत्रण पत्र पर केवल संयुक्त रूप से बनाएं गये दोनों अध्यक्षों विनोद कुमार गौतम व चंचल सागर के अलावा किसी पदाधिकारी का कोई जिक्र नहीं होगा। अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ के हसनपुर के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि अंबेडकर जयंती पूरे हर्षोल्लाह और खुशी के साथ मनाई जाएगी। सभी आपसी भाईचारे के साथ आयोजन में प्रतिभाग करेंगे। इस अवसर पर कोर कमेटी के अध्यक्ष जयपाल सिंह, श्रीमती सुखदेव इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य महिपाल सिंह, अंबेडकर उद्यान समिति के अध्यक्ष विजय गौतम, जाटव महासभा के अध्यक्ष लवी सागर, जाटव सभा के पूर्व अध्यक्ष मुकेश जाटव, गौतम बुद्ध जन्मोत्सव समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रोहतास सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता अजब सिंह एडवोकेट,पूर्व सभासद अरविंद कुमार अन्ना, समाजसेवी डॉक्टर अशोक कुमार,अंबेडकर जयंती के पूर्व अध्यक्ष मुरारी लाल मौर्य, शिक्षाविद् संजय सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी बदन सिंह गौतम, समाजसेवी मलखान सिंह, युवा समाजसेवी अमित हाली, दिनेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

मंगरौला में 'स्कूल चलो अभियान' का भव्य आगाज, विधायक पुत्र ने हरी झंडी दिखाकर रैली को किया रवाना

गंगेश्वरी ब्लॉक की ब्लाक स्तरीय स्कूल चलो अभियान रैली का शुभारंभ

गंगेश्वरी/अमरोहा (सब का सपना):- शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने और शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को विकास खंड गंगेश्वरी के कम्पोजिट स्कूल मंगरौला में ब्लॉक स्तरीय 'स्कूल चलो अभियान' रैली का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक पुत्र एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य देवेंद्र सिंह खड़गवंशी ने हरी झंडी दिखाकर किया। रैली को संबोधित करते हुए देवेंद्र सिंह खड़गवंशी ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों और अभिभावकों से भावुक अपील करते हुए कहा कि क्षेत्र का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि 6 से 14 आयु के प्रत्येक बच्चे का नामांकन सरकारी स्कूलों में कराएं। सरकार द्वारा परिषदीय विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा, यूनिफॉर्म, पुस्तकें और मध्याह्न भोजन जैसी सभी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। मुख्य अतिथि ने विशेष रूप से 'मिशन शक्ति' का उल्लेख करते हुए बालिकाओं की शिक्षा को समाज की प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार बेटियों को बेहतर शिक्षा और सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए पूरी तरह कटिबद्ध है। जब बेटियाँ शिक्षित होंगी, तभी समाज और राष्ट्र का सर्वांगीण विकास संभव है। शुभारंभ के पश्चात स्कूली बच्चों ने हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर पूरे गांव में भ्रमण किया। "आधी रोटी खाएंगे, स्कूल जरूर जाएंगे" और "पढ़ी-लिखी लड़की, रोशनी घर की" जैसे नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। इस दौरान शिक्षकों ने घर-घर जाकर अभिभावकों को सरकारी स्कूलों में मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी गंगेश्वरी अनिल कुमार,प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष यशपाल सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह, संयुक्त मंत्री महताबउद्दीन, ग्राम प्रधान सोमपाल सिंह, इकबाल सिंह, रिंकू सिंह गूर्जर, अनिल कुमार,एआरपी मौहम्मद असलम, संजीव मौर्य, महिपाल सिंह, विकास राहुल,इंचार्ज अध्यापक दिग्विजय सिंह, मशकूर अहमद, सनोज कुमार,सतवीर सिंह, रविकांत शर्मा, फिरोज आलम, राशिद रहमान,संदीप कुमार,फैजान हस्मत, जयपाल सिंह, रीना गौड़, मनीषा आदि मौजूद रहे।

बीजनपुर में निकाली गई स्कूल चलो अभियान रैली, 6 वर्ष के बच्चों के दाखिले का किया गया आह्वान

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- विकासखंड गंगेश्वरी क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बीजनपुर में मंगलवार को स्कूल चलो अभियान के तहत गाँव में जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का मुख्य उद्देश्य 6 वर्ष की आयु पूरी कर चुके बच्चों का नामांकन करवाकर शत-प्रतिशत साक्षरता की ओर कदम बढ़ाना रहा। ग्रामीणों से अपील की गई कि वे अपने पात्र बच्चों को तत्काल विद्यालय में दाखिला कराएँ और शिक्षा को प्राथमिकता दें। विद्यालय के प्रधानाध्यापक पवन अग्रवाल ने शिक्षा के सामाजिक-आर्थिक लाभों पर प्रकाश डाला और अभिभावकों से बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। रैली गाँव के मुख्य मार्गों से गुजरती हुई सम्पन्न हुई, जहाँ ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक समर्थन व्यक्त किया। प्रधानाध्यापक पवन अग्रवाल ने कहा कि आगामी दिनों में घर-घर संपर्क अभियान चलाकर शेष बच्चों का भी दाखिला पूरा किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक एवं राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, ब्लॉक गंगेश्वरी के अध्यक्ष पवन अग्रवाल, ग्राम प्रधान पुत्र नौशाद अली, सहायक अध्यापक अमित कुमार, हीरालाल, हिमांशु कुमार, रुचि रानी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

मंडी धनौरा में 'स्कूल चलो अभियान' के तहत स्कूली बच्चों ने निकाली रैली

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील में शिक्षा के अधिकार को जन-जन तक पहुंचाने और शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 'स्कूल चलो अभियान' रैली का आयोजन किया गया। यह रैली बुधवार, 1 अप्रैल 2026 को विकास क्षेत्र धनौरा में आयोजित हुई, जिसका लक्ष्य नगर और ग्रामीण क्षेत्र के अभिभावकों को शिक्षा के प्रति जागरूक करना था।
बता दें कि अभियान का औपचारिक शुभारंभ खंड विकास अधिकारी (BDO) नरेंद्र पाल और खंड शिक्षा अधिकारी (BEO) प्रकाश चंद ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया। इस रैली में नगर क्षेत्र और आसपास के विभिन्न प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के 500 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।बच्चों ने हाथों में प्रेरणादायक स्लोगन लिखी तख्तियाँ लेकर गलियों और मुख्य मार्गों पर भ्रमण किया। उन्होंने 'आधी रोटी खाएंगे, स्कूल जरूर जाएंगे' और 'मम्मी-पापा हमें पढ़ाओ, स्कूल में चलकर नाम लिखाओ' जैसे नारों के साथ शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाई।खंड शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद ने बताया कि यह अभियान 1 अप्रैल से 15 अप्रैल 2026 तक चलेगा।
उन्होंने कहा कि इसका मुख्य लक्ष्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE) 2009 के तहत 6 से 14 वर्ष तक के उन सभी बच्चों का विद्यालय में नामांकन कराना है, जो अभी भी शिक्षा की मुख्यधारा से बाहर हैं।

धनौरा सीएचसी में एचपीवी वैक्सीन अभियान के तहत सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु टीकाकरण की शुरूआत

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मंडी धनौरा में बुधवार को एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमावायरस) वैक्सीन टीकाकरण अभियान का शुभारंभ हुआ। यह अभियान महिलाओं में बढ़ते सर्वाइकल कैंसर के खतरों को देखते हुए शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य किशोरियों को इस गंभीर बीमारी से बचाना है।
बता दें कि अभियान के पहले दिन नवाबपुरा भूड़ निवासी गरिमा यादव (पुत्री धर्मवीर सिंह यादव) को वैक्सीन का पहला टीका लगाया गया। अस्पताल की वरिष्ठ स्टाफ नर्स ने गरिमा को यह टीका लगाया, जिसके साथ ही टीकाकरण सत्र का आरंभ हुआ। उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित चिकित्सकों ने एचपीवी वैक्सीन को सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में महत्वपूर्ण बताया। डॉ. मंदीप सिंह ने कहा कि समय पर टीकाकरण और जागरूकता से महिलाओं में होने वाले इस रोग को नियंत्रित किया जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अभिभावकों से अपनी बेटियों को टीका लगवाने की अपील की।इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। इनमें डॉ. मंदीप सिंह, अभिषेक वर्मा, अमित यादव, डॉ. अनामिका चौधरी, डॉ. कुलदीप यादव और ममतेश कुमारी प्रमुख थे।सीएचसी प्रभारी डॉ. राहुल कुमार ने बताया कि इस अभियान को क्षेत्र में व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र किशोरी इस सुरक्षा कवच से वंचित न रहे।

दूषित पानी को लेकर भाकियू (संयुक्त मोर्चा) का धरना प्रदर्शन 102वें दिन भी लगातार जारी

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला औद्योगिक नगरी स्थित गांव शाहबाजपुर डोर के निकट नेशनल हाईवे 9 पर भारतीय किसान यूनियन संयुक्त मोर्चा का धरना प्रदर्शन 102वें दिन भी जारी रहा।इस दौरान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी ने कहा कि गजरौला क्षेत्र में जहरीले पानी से गेहूं की फसल तैयार हो चुकी है। किसान गेहूं की कटाई कर रहे हैं यह गेहूं पूरे देश के अंदर जाएगा। इस जहरीली गेहूं के आटे को खाकर पूरे देश में कैंसर की बीमारी फैलेगी, क्या इसे रोकने की जिम्मेदारी जिला प्रशासन की नहीं थी,अमरोहा जिला प्रशासन पूरे देश में कैंसर की बीमारी फैलवाना चाहता है उन्होंने कहा कि पिछले 102 दिन से गजरौला क्षेत्र का किसान धरना लगाकर शोर मचा रहा है। गजरौला क्षेत्र की फसलें पूरे देश में बीमारी फैलाने का काम करेगी इसे रोका जाए और किसानों को पीने के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की जाए। लेकिन आज तक उत्तर प्रदेश सरकार अमरोहा जिला प्रशासन के द्वारा इस और कोई ध्यान नहीं दिया गया। अब इसको लेकर किसान बहुत आक्रोसित है, किसानों का गुस्सा कहर बनकर किसी भी समय जूबिलेंट फैक्ट्री के ऊपर टूट सकता है। गजरौला क्षेत्र के किसानों की फसलें और नस्ल बचाने के लिए आज तक संयुक्त मोर्चा के अलावा कोई भी सामने नहीं आया है। संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी 102 दिन से किसानों के साथ धरने पर बैठे हैं, उन्होंने कहा कि अमरोहा जिले में पूरी तरह से जंगल राज सा नजर आ रहा है। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है कि जुबिलेंट फैक्ट्री के ऊपर सरकार या प्रशासन के द्वारा अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गयी और ना ही किसानों के पानी में कोई सुधार किया गया।
इससे नाराज होकर 5 अप्रैल को एक महापंचायत बुलाने का ऐलान किया है। किसानों ने कहा कि यह पंचायत एक निर्णायक पंचायत साबित होगी। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष रामकृष्ण चौहान, मंडल अध्यक्ष अहसान अली, तेजपाल सिंह,चंद्रपाल सिंह ओम प्रकाश दरोगा, धरना अध्यक्ष प्रकाश सैनी,गंगाराम सिंह, पृथ्वी सिंह, रामफल सिंह ओम प्रकाश सिंह, रामप्रसाद सिंह, रामशरण सिंह, चंद्रपाल सिंह,सुरेश चंद्र, अजय पाल सिंह आदि किसान लोग मौजूद है।

अमरोहा के नवागत एसपी ने पुलिस अधिकारियों संग की बैठक

टॉप-टेन अपराधियों ने अपराध किया तो थाना प्रभारी की होगी जवाब देही:- एसपी

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के नवागत पुलिस अधीक्षक लाखन सिंह यादव ने पुलिस कार्यालय में जनपद के सभी राजपत्रित अधिकारियों और थाना/शाखा प्रभारियों के साथ एक परिचय बैठक की। इस दौरान उन्होंने कानून व्यवस्था की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक, सभी क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक एलआईयू, एसओजी प्रभारी और जनपद के सभी थाना/शाखा प्रभारी उपस्थित रहे। बता दें कि बुधवार को आयोजित इस बैठक में पुलिस अधीक्षक ने शराब, खनन, पशु, वन और भूमाफिया जैसे संगठित अपराधियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने इन अपराधों में संलिप्त अभियुक्तों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत की गई कार्रवाई और उनके विरुद्ध दर्ज मुकदमों में वांछित अभियुक्तों की स्थिति की समीक्षा की।उन्होंने गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज मामलों में धारा 14(1) के अंतर्गत अपराधियों की संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई को कड़ाई से लागू करने का निर्देश दिया। साथ ही, जनपद में खनन, शराब, पशु, वन और भूमाफियाओं को अभियान चलाकर चिह्नित करने, उनके विरुद्ध मुकदमे दर्ज करने और कड़ी कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि यदि 'टॉप-10' अपराधियों द्वारा किसी अन्य क्षेत्र में अपराध किया जाता है, तो इसके लिए संबंधित प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष और अन्य पुलिसकर्मियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने महिला संबंधी अपराधों और पॉक्सो एक्ट के मामलों में प्रभावी पैरवी कर अभियुक्तों को जल्द से जल्द सजा दिलाने को प्राथमिकता बताया। सभी क्षेत्राधिकारियों को अपने-अपने सर्किल में ऐसे मामलों को चिह्नित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि थाने पर आने वाले आगंतुकों और फरियादियों के साथ विनम्र और शालीन व्यवहार किया जाए।
थानों में स्वच्छ वातावरण स्थापित कर उनके बैठने, स्वच्छ पेयजल और शौचालय आदि की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आम जनता बिना किसी भय के अपनी शिकायतें लेकर थानों पर आ सके।उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि थाने पर आने वाले सभी आगंतुकों/फरियादियों की समस्याओं को शालीनतापूर्वक सुना जाए और तत्काल निष्पक्ष, आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

नवागत एसपी ने पुलिस कार्यालय सभागार में पत्रकारों के साथ की प्रेसवार्ता

कानून व्यवस्था एवं पुलिस कार्यप्रणाली के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर की विस्तृत चर्चा

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के नवागत पुलिस अधीक्षक अमरोहा लाखन सिंह यादव द्वारा पुलिस कार्यालय स्थित सभागार में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित पत्रकार बन्धुओं के साथ गोष्ठी कर जनपद की कानून व्यवस्था एवं पुलिस कार्यप्रणाली से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।
बता दें कि बुधवार को आयोजित इस गोष्ठी के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में आने वाले सभी फरियादियों की शिकायतों का त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जा रहा है साथ ही, शासन द्वारा चलाए जा रहे अभियानों के अंतर्गत अमरोहा पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए अपराध एवं अपराधियों पर सतत निगरानी रखी जायेगी। उन्होंने बताया कि जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु पुलिस द्वारा निरंतर गश्त, चेकिंग अभियान एवं अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी। आमजन की सुरक्षा एवं विश्वास को सर्वोपरि रखते हुए पुलिस पूरी तत्परता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकार बन्धुओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों का पुलिस अधीक्षक द्वारा संतोषजनक उत्तर दिया गया तथा पुलिस-जन सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने पर बल दिया गया।

जनपद स्तरीय स्कूल चलो अभियान का हुआ शुभारंभ

अमरोहा। बेसिक शिक्षा विभाग के समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत जनपद स्तरीय ह्यस्कूल चलो अभियान रैली का भव्य आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ गांधी मूर्ति चौराहे पर शिक्षक विधायक डॉ. हरि सिंह ढिल्लो , सदस्य राष्ट्रीय परिषद भाजपा ओमप्रकाश गोला , जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। रैली में जनपद के विभिन्न स्कूलों से बड़ी संख्या में बच्चे शामिल हुए। बच्चों ने ह्यस्कूल चलो अभियान के नारों जैसे एक भी बच्चा छूटा, संकल्प हमारा टूटा आदि के साथ लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया। रैली गांधी मूर्ति चौराहे से शुरू होकर आजाद रोड, कोट चौराहा, आईएम इंटर कॉलेज चौराहा, अम्बेडकर चौक होते हुए जे.एस. हिन्दू इंटर कॉलेज, अमरोहा पहुंचकर समाप्त हुई। रैली के दौरान स्वयं जिलाधिकारी सहित जनपद स्तरीय अधिकारी, शिक्षक एवं विभागीय कर्मचारी बच्चों के साथ चले और उनका हौसला बढ़ाते रहे। इस अवसर पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि रैली का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एक भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। सभी बच्चे स्कूल जाएँ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ग्रहण करें।उन्होंने बताया कि इसी तरह का कार्यक्रम सभी ग्राम पंचायतों, ब्लॉकों और तहसीलों में माननीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने एक विशेष अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि जनपद में अब आंगनबाड़ी से निकलने वाले बच्चों का प्रथम कक्षा में, प्राथमिक से निकलने वाले बच्चों का जूनियर कक्षा में तथा जूनियर से निकलने वाले बच्चों का माध्यमिक कक्षा में दाखिला सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके लिए उन्होंने सभी विद्यालयों के शिक्षकों को निर्देश दिए कि वे गांव-गांव, घर-घर जाकर ऐसे बच्चों की सूची तैयार करें तथा उनके अभिभावकों को शिक्षा के महत्व से अवगत कराते हुए स्कूल में दाखिले के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा बच्चों को लगभग सभी सुविधाएँ निःशुल्क प्रदान की जा रही हैं, ताकि शिक्षा को बढ़ावा मिले और बच्चे विकसित उत्तर प्रदेश की नींव मजबूत करें। रैली के समापन अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे को पूर्ण मेहनत और लगन के साथ शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। शिक्षकों को उनके दायित्वों का बोध कराते हुए कहा कि ह्यस्कूल चलो अभियानह्ल की सफलता में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी शिक्षकों से कहा कि वे अपने क्षेत्र में स्कूल चलो अभियान की रैली निकालकर अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन सुनिश्चित करें। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक प्रवेश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी अध्यापक एवं विद्यालयों के छात्र उपस्थित रहे।

गणेश कॉलोनी में श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- नगर के गणेश कॉलोनी में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के तृतीय दिवस पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कथा व्यास स्वामी ओमप्रकाश महाराज (श्री धाम वृंदावन) ने अपने मुखारविंद से भक्तों को भगवान की अद्भुत लीलाओं का रसपान कराया। स्वामी जी ने कथा के दौरान भगवान शिव द्वारा माता पार्वती को सुनाई गई अमर कथा का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि महर्षि वेदव्यास के पुत्र सुखदेव जी ने अपनी माता के गर्भ में 12 वर्षों तक निवास किया। जब वेदव्यास जी ने पुत्र से जन्म लेने का आग्रह किया, तब गर्भ से ही सुखदेव

जी ने उत्तर दिया कि उन्हें गर्भ में ही परम सुख प्राप्त हो रहा है और बाहर आने पर वे भगवान नारायण की माया में फंसना नहीं चाहते।
स्वामी जी ने आगे बताया कि सुखदेव जी ने शर्त रखी कि यदि स्वयं भगवान नारायण उन्हें आश्वस्त करें कि उनकी माया उन्हें प्रभावित नहीं करेगी, तभी वे जन्म लेंगे। भगवान की कृपा से आश्वासन मिलने के बाद ही सुखदेव जी का जन्म हुआ और जन्म लेते ही उन्होंने गृह त्याग कर भगवान भक्ति का मार्ग अपनाया। कथा में महाराज परीक्षित और शमिक ऋषि प्रसंग का भी वर्णन किया गया, जिसमें परीक्षित द्वारा ऋषि का अपमान करने पर उन्हें श्राप मिला, जिसके कारण भागवत कथा का प्रसंग प्रारंभ हुआ।
कथा के अंत में श्रीमद्भागवत जी की आरती की गई तथा उपस्थित भक्तों में प्रसाद वितरित किया गया। पूरे वातावरण में भक्ति और श्रद्धा का भाव देखने को मिला।

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू असली ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन असली ने क्षेत्र के किसानों की समस्याओं को लेकर शासन और प्रशासन के विरुद्ध बहजोई बड़े फील्ड पर धरना दिया। संगठन ने एक विस्तृत ज्ञापन सौंपकर आलू की गिरती कीमतों गेहूं की खरीद में हो रही लूट और जल जीवन मिशन की बदहाली जैसे गंभीर मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है किसानों ने बताया कि इस वर्ष आलू की उत्पादन लागत बहुत अधिक रही है लेकिन बाजार में लागत मूल्य भी नहीं मिल पा रहा है। यूनियन ने मांग की है कि सरकार आलू को समर्थन मूल्य पर खरीदे और निर्यात की समुचित व्यवस्था करे गेहूं खरीद में शासन द्वारा वर्ष 2026 के लिए गेहूं का समर्थन मूल्य

2585ड्ड प्रति क्विंटल घोषित किया गया है लेकिन मंडियों में किसानों का गेहूं मात्र 2300ड्ड प्रति क्विंटल पर खरीदा जा रहा है। किसानों ने इसे खुलेआम लूट करार देते हुए इस पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। कहा गया है कि हर घर नल योजना के नाम पर गांवों के रास्ते खोद दिए गए हैं। न तो जलापूर्ति शुरू हुई और न ही रास्तों की मरम्मत कराई गई जिससे ग्रामीणों का चलना दूभर हो गया है। और गंगा में अवैध खनन और फर्जी मुकदमे सम्भल जनपद में गंगा की धारा के साथ हो रहे खिलवाड़ का मुद्दा उठाते हुए यूनियन ने कहा कि अवैध खनन का विरोध करने वाले किसानों पर झूठे मुकदमे दर्ज किए गए हैं। इनकी निष्पक्ष जांच कर इन्हें निरस्त करने की मांग की गई है।
ऊंचागांव खादर डिबाई क्षेत्र में हो रहे खनन और ओवरलोड वाहनों के कारण गांव की सड़कें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं। यूनियन ने मानक के अनुसार खनन और क्षतिग्रस्त मार्गों की तत्काल मरम्मत की मांग की है। यदि शासन और प्रशासन ने समय रहते इन समस्याओं का समाधान नहीं किया तो भारतीय किसान यूनियन असली के बैनर तले किसान बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान के तहत जागरूकता रैली आयोजित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान (1 अप्रैल से 30 अप्रैल) एवं दस्तक अभियान (10 अप्रैल से 30 अप्रैल) के सफल क्रियान्वयन हेतु बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर बहजोई से एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली को जिलाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।
रैली कलेक्ट्रेट परिसर से प्रारंभ होकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर पर समाप्त हुई। इस दौरान जिलाधिकारी ने रैली में उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को संचारी रोगों की रोकथाम के लिए शासन द्वारा निर्धारित शपथ दिलाई।
उन्होंने बताया कि दोनों अभियान निर्धारित तिथियों में व्यापक स्तर पर संचालित किए जाएंगे और सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ इसे सफल बनाना होगा।
मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक ने रैली में उपस्थित आशा कार्यकताओं को निर्देशित किया कि वे माइक्रोप्लान के अनुसार कार्य करते हुए घर-घर भ्रमण करें और

बुखार, टीबी, मलेरिया जैसे लक्षण वाले मरीजों की जानकारी ई-कवच पोर्टल पर अपलोड करें।
अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पंकज विश्नोई ने आशाओं को प्रत्येक परिवार की आभा आईडी बनाने एवं वितरित करने, साथ ही घर-घर जाकर सोर्स रिडक्शन (मच्छर जनित स्रोतों को समाप्त करने) का कार्य प्रभावी ढंग से करने के निर्देश दिए।
उन्होंने कहा कि लार्वा मिलने पर उसका अंकन रिपोर्ट में अनिवार्य रूप से किया जाए।
जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. मनोज कुमार ने अभियान की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि विभिन्न विभागों के समन्वय से संचारी रोग नियंत्रण अभियान को प्रभावी बनाया जाएगा।
रैली के दौरान मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला कार्यक्रम अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी, डीपीएम, डीसीपीएम, आशा, एएनएम, अपर शोध अधिकारी तथा मलेरिया विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक, सात मामलों का हुआ निस्तारण

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में चल रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह-समझौता केंद्र के अंतर्गत बुधवार को गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी चंदौसी में बैठक आयोजित की गई। बैठक अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी कुलदीप सिंह एवं क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के निर्देश पर संपन्न हुई। परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह की देखरेख में आयोजित इस बैठक में

पति-पत्नी के बीच उत्पन्न आपसी विवादों को सुलह-समझौते के माध्यम से निस्तारित करने का प्रयास किया गया। काउंसलरों की मदद से कुल 16 पत्रावलियों पर सुनवाई की गई, जिसमें से 7 मामलों का सफलतापूर्वक निस्तारण कराया गया। वहीं 7 पत्रावलियों को पक्षकारों द्वारा पर्याप्त बल न देने अथवा अन्य कारणों के चलते बंद कर दिया गया। शेष मामलों पर आगे की कार्रवाई जारी है।
इस दौरान काउंसलर श्वेता गुप्ता, उपनिरीक्षक महेश गंगवार, मनोहर सिंह, रुचि सहित अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे।

महिलाओं की सुरक्षा व स्वालंबन हेतु चलाया गया जागरूकता अभियान

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं,बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन एवं नोडिल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह, क्षेत्राधिकारी चन्दौसी ,सहायक नोडल मिशन शक्ति अभियान दीपक कुमार के नेतृत्व में बुधवार को जनपद सम्भल की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं

के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों,कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया

विद्यालय में मेधावी छात्रों का सम्मान, हवन-पूजन के साथ नए सत्र की शुरूआत

धनारी/सम्भल (सब का सपना):- धनारी पट्टी लाल सिंह स्थित कंपोजिट प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने इस वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शानदार अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। छात्रा चंचल ने 91% अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया और अपने

माता-पिता व स्कूल को गौरवान्वित किया।
वहीं उच्च प्राथमिक विद्यालय के छात्रों में गौरेश गौतम ने 78%, सचिन ने 82%, जरा ने 91%, शिखा कुमारी ने 78%, कोसेंद्र ने 75%, खुशबू कुमारी ने 72% तथा फरीन ने 76% अंक प्राप्त किए। बच्चों की इस सफलता से विद्यालय परिवार और अभिभावकों में खुशी की लहर दौड़ गई।
इस अवसर पर नए शैक्षिक सत्र के प्रवेश प्रारंभ होने पर विद्यालय में हवन-पूजन का आयोजन किया गया, जिसके बाद प्रसाद वितरण और भंडारे का कार्यक्रम भी हुआ। इसमें शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए।
प्रधानाचार्य जयपाल सिंह ने सभी छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि बच्चे इसी तरह मेहनत और लगन से पढ़ाई करते रहें, जिससे विद्यालय का नाम आगे भी रोशन होता रहे। कार्यक्रम ने शिक्षा के साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक एकता का भी संदेश दिया।

हनुमान जन्मोत्सव पर विशाल भंडारे का आयोजन, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर बजरंगी सनातन समूह (रजि.) उत्तर प्रदेश द्वारा बुधवार को नगर के रघुनाथ आश्रम मंदिर परिसर में भव्य एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विधि-विधान से कन्या पूजन एवं ब्राह्मण भोज के साथ की गई, जिसके बाद श्रद्धालुओं के लिए भंडारा प्रारंभ हुआ।
इस दौरान नगर व आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और प्रसाद ग्रहण कर हनुमान जी के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन और जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय

बना रहा।
संस्थापक सदस्य चिराग फैंसी ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव सेवा, समर्पण और परोपकार का संदेश देता है।
इसी भावना से भंडारे का आयोजन किया गया, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक सेवा का भाव पहुंचाया जा सके।
संस्था अध्यक्ष विमल वार्ष्णेय ने कहा कि बजरंगी सनातन समूह निरंतर धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों के माध्यम से समाज को जोड़ने का कार्य कर रहा है। ऐसे आयोजन आपसी भाईचारे और एकता को मजबूत करते हैं।
सहयोगी कार्यकर्ता शुभम अग्रवाल ने कहा कि सभी कार्यकर्ता मिलकर सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं और भविष्य में भी इसी प्रकार के आयोजन जारी रहेंगे।
कार्यक्रम को सफल बनाने में अनुज वार्ष्णेय, मयंक वार्ष्णेय, अभिनव वार्ष्णेय, चिराग वार्ष्णेय, निशांत शर्मा, सौरभ गुप्ता, शुभम वार्ष्णेय, विशाल अग्रवाल, अभिषेक वार्ष्णेय, देव कुमार, अनमोल गौड़, आदित्य गुप्ता, प्रियंक, वंश वार्ष्णेय, अमन रस्तोगी, अग्रिम वार्ष्णेय, अमन अग्रवाल, रितिक वार्ष्णेय, गर्पित वार्ष्णेय, कृष्णा, अविरल वार्ष्णेय, ध्रुव वार्ष्णेय, अग्रिम यादव, निखिल सहित संस्था के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का विशेष योगदान रहा।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान का हुआ शुभारम्भ

अमरोहा (सब का सपना):- उ०प्र० सरकार के निदेर्शानुसार माह अप्रैल 2026 (01 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान (10 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026) का शुभारंभ बुधवार को कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी जनपद अमरोहा से विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत एक जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली को मुख्य अतिथि ओम प्रकाश गोला राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त (माटी कला बोर्ड अध्यक्ष उत्तर प्रदेश सरकार) तथा भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर ओमप्रकाश गोला और मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा स्वच्छता की शपथ सभी आशाओं तथा उपस्थित कर्मियों को संयुक्त रूप से दिलाई। इसके साथ ही जनपद की विभिन्न प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर भी रैली का आयोजन किया गया। अभियान का शुभारम्भ के द्वारा शपथ ग्रहण व जनजागरूकता रैली को हरी झण्डी दिखाकर शुभारम्भ किया गया। ओमप्रकाश गोला द्वारा सभी विभागों

से अपेक्षा की गयी कि आपसी समन्वय से कार्य करे। उनके द्वारा निर्देशित किया गया कि वैक्टर जनित रोग की रोकथाम हेतु पूर्व में चयनित हाई रिस्क क्षेत्रों में रोस्टर बनाकर कार्य किया जाये। सभी जनमानस को बताया गया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान में अपना सहयोग प्रदान करें। जिससे संचारी रोग जैसे, डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, टी०बी०, डायरिया इत्यादि रोगों से बचा जा सकें।
शासन के निदेर्शानुसार दस्तक अभियान में संचारी रोगों रोकथाम एवं नियंत्रण गतिविधियों अभियान के अंतर्गत आशाओं द्वारा घर-घर जाकर जागरूक करेगी। ग्राम पंचायत द्वारा नाले/नालियों की साफ-सफाई, झाड़ियों की कटाई व जल भराव के निस्तारण, शौचालय की सफाई तथा घर से जलनिकासी का कार्य कराया जायेगा। जनपदीय अधिकारियों द्वारा अभियान का सर्वेलेन्स किया जायेगा। रैली में जिला मलेरिया अधिकारी, नगर पालिका परिषद के कर्मचारी, कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कर्मचारियों तथा चिकित्सा अधिकारी, आशा वर्कर, जिला एपिडेमियोलॉजी , जिला मलेरिया अधिकारी द्वारा प्रतिभाग किया गया।

सम्भल में विकास कार्यों को मिली रफ्तार, 51015 लाख रुपये से अधिक बजट खर्च

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया की अध्यक्षता में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत विभिन्न विभागों को आवंटित एवं व्यय की गई धनराशि को लेकर प्रेस वार्ता आयोजित की गई।
जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद के 24 प्रमुख विभागों के लिए कुल ड्ड53941.98 लाख रुपये आवंटित किए गए थे, जिनमें से ड्ड51015.36 लाख रुपये व्यय कर लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि 24 में से 20 विभागों में शत-प्रतिशत धनराशि खर्च हो चुकी है, जबकि शेष राशि भी आगामी 2-3 माह में पूरी तरह व्यय कर ली जाएगी।
नियोजन विभाग के तहत त्वरित आर्थिक विकास योजना में ड्ड1238.04 लाख रुपये आवंटित किए गए, जिसे पूरी तरह कार्यदायी संस्थाओं को हस्तांतरित कर दिया गया है। मत्स्य विभाग में ड्ड16.22 लाख, लोक निर्माण विभाग में

ड्ड30282.01 लाख, डीआरडीए के ग्रामीण आवास में ड्ड515.80 लाख, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग में ड्ड600 लाख तथा पशुपालन विभाग में ड्ड24.44 लाख रुपये की धनराशि आवंटित कर शत-प्रतिशत व्यय की गई। पर्यटन विभाग के अंतर्गत जनपद के प्राचीन तीर्थों एवं अन्य स्थलों के विकास हेतु ड्ड3952 लाख की स्वीकृति के सापेक्ष ड्ड1609 लाख रुपये अवमुक्त किए गए। वहीं क्रिटिकल गैप्स योजना के तहत खंड विकास अधिकारी कार्यालय सम्भल एवं रजपुरा में आधुनिक प्रशिक्षण केंद्रों के निर्माण के लिए ड्ड50-50 लाख रुपये की धनराशि दी गई, जिनके निर्माण कार्य प्रगति पर हैं।
जिलाधिकारी ने बताया कि इस वर्ष प्रशासन द्वारा प्रभावी मॉनिटरिंग के चलते प्राप्त धनराशि का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया गया है।
इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) प्रदीप वर्मा, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी रत्नेश कुमार सहित पत्रकारबंधु उपस्थित रहे।

सरकारी पशु अस्पताल में दवाइयों का अभाव, पशुपालकों में आक्रोश

रायपुर सादात/बिजनौर (सब का सपना):- रायपुर सादात स्थित सरकारी पशु चिकित्सालय की बदहाल स्थिति को लेकर स्थानीय पशुपालकों में भारी रोष व्याप्त है। आरोप है कि अस्पताल केवल नाम का रह गया है, जबकि यहां जरूरी एंटीबायोटिक दवाइयों तक का अभाव बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार बीमार पशुओं को लेकर जब वे अस्पताल पहुंचते हैं, तो उन्हें उपचार के बजाय खाली अलमारी और कर्मचारियों के बहाने ही मिलते हैं। इससे पशुओं का इलाज समय पर नहीं हो पा रहा और पशुपालकों को निजी खर्च पर बाहर से दवाइयां खरीदने को मजबूर होना

पड़ रहा है।

सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि सरकारी रिकॉर्ड में दवाइयों की सप्लाई और बजट दर्शाए जाने के बावजूद अस्पताल में एंटीबायोटिक दवाएं आखिर कहां गायब हो रही हैं। लोगों का आरोप है कि पशु चिकित्सा सेवाओं के नाम पर केवल कागजी कार्यवाही की जा रही है, जबकि जमीनी स्तर पर हालात बेहद खराब हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बीमार पशु तड़प रहे हैं और पशुपालक परेशान हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं। इससे सरकारी व्यवस्था पर ग्रामीणों का भरोसा कमजोर होता जा रहा है।

ग्रामीणों ने प्रशासन और पशुपालन विभाग से तत्काल संज्ञान लेते हुए अस्पताल में दवाइयों की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने और लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

बीच सड़क दबंगई का वीडियो वायरल, पिता-पुत्र की पिटाई से मचा हड़कंप

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना नांगल क्षेत्र के गौसपुर गांव में दबंगों द्वारा पिता-पुत्र की बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव निवासी अमर सिंह और उनके पुत्र कुंवर पाल को दबंगों ने बीच सड़क पर घेरकर जमकर पीटा, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव कर दोनों को बचाया।

बताया जा रहा है कि इस पूरे

घटनाक्रम का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दबंगों की खुलेआम दबंगई देखी जा सकती है। बावजूद इसके पीड़ित पक्ष ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उन पर दबाव बनाकर समझौता कराने की कोशिश की गई।

पीड़ितों का यह भी आरोप है कि वीडियो वायरल होने के बावजूद पुलिस ने मामले में एफआर (फाइनल रिपोर्ट) लगाकर कार्रवाई से पल्ला झाड़ लिया।

इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है और पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। मामले को लेकर उच्च अधिकारियों से निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है।

दिनदहाड़े कपड़ा व्यापारी के घर हुई चोरी, पुलिस जांच में जुटी

बिजनौर (सब का सपना):- चांदपुर क्षेत्र के हीमपुर दीपा गांव में दिनदहाड़े कपड़ा व्यापारी के घर हुई चोरी की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। अज्ञात चोर सूने घर का फायदा उठाकर नकदी और लाखों रुपये के जेवरात लेकर फरार हो गए, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार बंसल क्लॉथ हाउस के मालिक मुनीस बंसल का परिवार दोपहर करीब 12 बजे किसी कार्य से घर से बाहर गया हुआ था। इसी दौरान चोर मुख्य गेट की खिड़की खोलकर घर में दाखिल हुए और अंदर रखे कीमती सामान को खंगाल डाला। वारदात को अंजाम देकर चोर आराम से फरार हो गए।

व्यापारी हार्दिक कुमार गुप्ता ने बताया कि चोर घर से करीब 75 हजार रुपये नकद और लगभग 4 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए। चोरी गए सामान में सोने की अंगूठियां, कानों की बालियां, मंगलसूत्र, चांदी की पाजेब और सिक्के शामिल हैं। घर के कमरों में सामान बिखरा मिला, जिससे साफ है कि चोरों ने पूरी योजना के तहत वारदात को अंजाम दिया।

चोरों ने रसोई गैस सिलेंडर भी ले जाने की कोशिश की, लेकिन असफल रहने पर उसे मुख्य दरवाजे पर ही छोड़ दिया। घटनास्थल से एक टोपी भी बरामद हुई है, जिसे पुलिस अहम सुराग मानकर जांच में जुटी है। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी गई। स्थानीय पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। इस घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल है और लोगों ने क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की मांग की है।

सड़क हादसे मे बिजली विभाग के संविदा कर्मी की मौत

स्योहारा/ बिजनौर (सब का सपना):- मंगलवार देर रात सड़क हादसें मे बिजली विभाग के संविदा कर्मी की मौत हो गयी। जिससे परिजनों मे कोहराम मच गया। पुलिस ने पंचनामा भर शव को पोस्टमार्टम को भेज जांच शुरू कर दी है। नगर के मोहल्ला इस्लामनगर निवासी 22 बर्षिय विनित पुत्र महिपाल उमरपुर क्षेत्र मे बिजली के बिल निकालने का कार्य करता था। मंगलवार को वह उमरपुर क्षेत्र से वापस अपने घर आ रहा था कि दक्ष स्कूल के पास उसकी अज्ञात वाहन से टक्कर हो गयी। जिसमे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया । राहगीरों की मदद से उसे सरकारी अस्पताल लाया गया। जहाँ चिकित्सकों ने उसे मृतक घोषित कर दिया । पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । मृतक विनित की शादी 8 मार्च को क्षेत्र के गांव लाम्बाखेड़ा निवासी मुखराम की बेटी सीमा से हुई थी । परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है । विनित की तीन बहन व एक भाई है ।

वह दो बहनों से छोटा था । परिवार की जिम्मेदारी और पिता की घर चलाने मे मद्दत करता था । विनित के पिता का कहना है कि जांच होनी चाहिए कि वह खुद गया था या किसी ने उसे बुलाया था ।

ऑटो चालक महिला का बैग लेकर फरार, पुलिस की सतर्कता से मिला वापस

हापुड़/पिलखुवा(सब का सपना):- जनपद के पिलखुवा क्षेत्र में यातायात पुलिस की सतर्कता और तत्परता का सराहनीय उदाहरण सामने आया है। एक ऑटो चालक महिला का बैग लेकर फरार हो गया, लेकिन पुलिस ने तेजी दिखाते हुए कुछ ही समय में आरोपी को पकड़कर महिला का सामान सुरक्षित बरामद कर लिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार पिलखुवा निवासी मंजू , अपने मायके शाहदरा से अपने बच्चों के साथ डासना-मसूरी क्षेत्र से ऑटो में सवार होकर अपने घर लौट रही थीं। जैसे ही वह पिलखुवा बस अड्डे पर पहुंचीं, ऑटो चालक अचानक उनके दो बैग लेकर मौके से फरार हो गया।बैग में करीब 40 हजार रुपये का कीमती सामान रखा हुआ था, जिससे महिला घबरा गई। हालांकि महिला ने सूझबूझ का परिचय देते हुए ऑटो का नंबर नोट कर लिया

और तुरंत मौके पर मौजूद यातायात पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक कामेश सिंह, ने बिना देर किए वायरलेस के माध्यम से संदेश प्रसारित कर टीम को अलर्ट कर दिया।यातायात पुलिस की मुस्तैदी का परिणाम रहा कि कुछ ही दूरी पर संदिग्ध ऑटो को रोक लिया गया।जांच के दौरान महिला के दोनों बैग बरामद कर लिए गए और उन्हें सुरक्षित वापस सौंप दिया गया। सामान मिलने पर महिला और उनके परिजनों ने राहत की सांस ली और यातायात पुलिस का आभार व्यक्त किया।वहीं स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की इस त्वरित और सराहनीय कार्रवाई की प्रशंसा की। यह घटना दशार्ती है कि समय पर सूचना और पुलिस की सक्रियता से अपराधों पर शीघ्र नियंत्रण पाया जा सकता है।साथ ही यह लोगों के लिए भी संदेश है कि यात्रा के दौरान सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना दें।

अज्ञात वाहन की टक्कर से गुलदार की मौत

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- धामपुर रोड स्थित गांव चंचलपुर के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से एक गुलदार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जब ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो गुलदार मृत अवस्था में पड़ा हुआ था। जिससे पूरे गांव में स्तब्धता और दहशत का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि पिछले कई दिनों से क्षेत्र के विभिन्न गांवों में गुलदार की आवाजाही देखी जा रही थी। जिससे ग्रामीणों में लगातार भय बना हुआ

था। इसको लेकर वन विभाग भी सतर्क था और गुलदार को पकड़ने के लिए क्षेत्र में पिंजरा भी लगाया गया था। लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद गुलदार पकड़ में नहीं आ सका। इसी बीच अचानक आई इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया और लोगों को एक तरह से राहत के साथ-साथ हैरानी भी हुई कि जिस गुलदार से वे भयभीत थे उसकी इस तरह मौत हो गई। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। विभाग ने गुलदार के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अधिकारियों के अनुसार मृत गुलदार की उम्र लगभग तीन वर्ष बताई जा रही है। जबकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। मौके पर डिप्टी रेंजर विजय भारत, वन रक्षक नरेश कुमार और हरीश कुमार सहित वन विभाग की टीम मौजूद रही, जिन्होंने आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की।

ब्लॉक प्रमुख ने स्कूल चलो अभियान को दिखाई हरी झंडी

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के पीएम श्री विद्यालय दाऊद सराय में ह्यस्कूल चलो अभियानह्ल का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर स्कूल चलो अभियान की भव्य रैली का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख गुरेंद्र सिंह ढिल्लों ने किया। रैली में स्कूल के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नारे लगाते हुए शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान खंड शिक्षा अधिकारी सोनू कुमार, प्रधानाध्यापक बरन सिंह तथा अन्य शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख गुरेंद्र सिंह ढिल्लों ने कहा कि शिक्षा ही एकमात्र ऐसा साधन है जो समाज को आगे बढ़ाने में मदद कर सकता है। उन्होंने बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में बताते हुए उन्हें नियमित रूप से स्कूल आने के लिए प्रेरित किया। खंड शिक्षा अधिकारी सोनू कुमार ने कहा कि स्कूल चलो अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक बच्चों को शिक्षा से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत स्कूलों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा ताकि बच्चों को शिक्षा के प्रति आकर्षित किया जा सके। प्रधानाध्यापक बरन सिंह ने कहा कि स्कूल चलो अभियान के तहत बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

पूर्व विधायक विजय सिंह के घर में हुए विस्फोट में घायल पूर्व प्रधान की मौत

फरुर्खाबाद (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद जिले में पूर्व विधायक विजय सिंह के आवास पर हुए विस्फोट में घायल समर्थक पूर्व प्रधान भैया लाल चौहान की मौत हो गई। मालूम हो कि थाना मऊदरवाजा के ग्राम नूरपुर निवासी पूर्व प्रधान भैया लाल का कानपुर में इलाज चल रहा था। पूर्व विधायक विजय सिंह के आवास पर हुए विस्फोट में उनके बेटे सिक्की, विक्की एवं भैया लाल सहित आधा दर्जन लोग घायल हो गए थे। जिनके विरोध में नखास चौकी इंचार्ज इमरान फरीद ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। दर्ज कराई रिपोर्ट में घुमना चौकी इंचार्ज इमरान फरीद ने कहा है कि 17 मार्च 26 को समय करीब 6 बजे शाम हमराह सिपाही मलखान सिंह साहबगंज चौराहे पर वाहन चेकिंग कर रहे थे। तभी दो घायल व झुलसे हुए व्यक्ति भारत नर्सिंग होम की तरफ ई-रिक्शा में कुछ लोग लेकर जा रहे थे। मेरे द्वारा रोककर पूछा गया तो उन्होंने बताया कि दोनों घायल व झुलसे हुए व्यक्ति पूर्व विधायक विजय सिंह के लड़के

अभिनाश उर्फ विक्की व अभिषेक उर्फ सिक्की हैं। इनके घर में भयानक विस्फोट हो गया है। जिसमें 5 से 6 लोग घायल हो गए हैं, कुछ लोग वहीं मौके पर पड़े हैं। इस सूचना पर मैं हमराही के साथ पूर्व विधायक विजय सिंह के आवास स्थित मोहल्ला नाला मछरट्टा पहुंचा, तो देखा कि घर के बाहर पब्लिक के लोग काफी जमा थे और पूरे मोहल्ले में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल था। लोग चीख पुकार कर रहे थे। गेट के अंदर घुसते ही फर्श टूटा पड़ा था और बेसमेंट की छत उखड़ गई थी और उसमें रखा सारा सामान बिखरा पड़ा था। मलबे में एक व्यक्ति भैयालाल पुत्र हरिकिशन निवासी नूरपुर थाना मऊदरवाजा मलबे में बुरी तरह घायल अवस्था में दबा पड़ा था, जिसको हमराही की मदद से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। पूछने पर लोगों ने बताया कि अन्य घायलों में विक्की व सिक्की के अलावा कुछ अन्य लोग और भी हैं जिनके नाम ईशू चौरसिया पुत्र धनश्याम चौरसिया उम्र करीब 29 वर्ष निवासी मोहल्ला नाला मछरट्टा, रामवीर यादव पुत्र अजय राज उम्र करीब 60 वर्ष निवासी रेलवे स्टेशन फरुर्खाबाद, रानू मिश्रा पुत्र वीरेंद्र मिश्रा निवासी मितूकपुर, उम्र करीब 35 वर्ष, भैयालाल पुत्र हरिकिशन उम्र करीब 40 वर्ष निवासी नूरपुर थाना मऊदरवाजा और बाकी अन्य लोगों को जनता द्वारा अस्पताल पहुंचाया गया है। साहस कर मेरे द्वारा टूटे हुए बेसमेंट में देखा गया तो उसमें से विस्फोटक पदार्थ की बू आ रही थी और दीवारों पर खून के धब्बे लगे थे। पूरे मकान की तीसरी मंजिल तक खिड़की, दरवाजे, ग्रिल, छत और लैंटर बुरी तरह क्षतिग्रस्त पड़े थे। आसपास के लोगों ने बताया कि समय करीब लगभग 7.30 बजे के आसपास तेज धमाके के साथ पूरी बिल्डिंग क्षतिग्रस्त हो गयी। उसमें मौजूद लोग घायल हो गये। मौके की स्थिति से यह स्पष्ट है कि मकान में मौजूद उक्त लोगों द्वारा अवैध विस्फोटक पदार्थ संग्रह कर निर्माण किया जा रहा था, जिस कारण यह घटना घटित हुई और लोगों की जान का खतरा उत्पन्न हो गया। फिलहाल इस मामले में पुलिस जांच कर रही है।

एनसीईआरटी के नाम पर निजी किताबों का 'बोझ': संभल के 33 स्कूलों पर लगा था जुमार्ना

संभल। : नए शिक्षा सत्र की शुरूआत यानी एक अप्रैल से हो रही है। इसी के साथ ही अभिभावकों की चिंताएं बढ़ गई हैं। पहले से ही प्राइवेट स्कूलों की बढ़ती फीस का बोझ झेल रहे अभिभावकों को अब कापी-किताबों की खरीद को लेकर भी अतिरिक्त दबाव का सामना करना पड़ रहा है। कई स्कूल प्रबंधन अभिभावकों को एक ही तय दुकान से कापी-किताबें खरीदने के लिए मजबूर कर रहे हैं। इसके लिए बाकायदा पर्ची दी जा रही है और स्कूल के वाट्सएप ग्रुप में भी दुकान का नाम साझा किया जा रहा है, जिससे अभिभावकों के सामने विकल्प खत्म हो रहे हैं। इतना ही नहीं, दुकानों पर दाम पारदर्शी किए गए हैं और न ही पक्का बिल दिया जा रहा है।अभिभावकों का आरोप है कि यह पूरी व्यवस्था एक सुनियोजित खेल का हिस्सा है, जिसमें स्कूल और दुकानदार मिलकर मोटा मुनाफा कमा रहे हैं। कई बार पक्का बिल मांगने पर भी दुकानदार द्वारा कोई जबाव नहीं दिया जाता है। मंगलवार को शहर के सूर्यकुंड मंदिर के नजदीक किताब गोदाम के बाहर अभिभावकों की भारी भीड़ देखने को मिली। किताबें खरीदने के लिए लोगों में धक्का-मुक्की तक की नौबत आ गई। कई लोगों ने बताया कि उनके पास विकल्प ही नहीं है और दूसरी दुकानों पर स्कूलों की कापी किताबें मिल नहीं रही हैं।

क्योंकि स्कूल प्रबंधन ने तय दुकान से ही किताबें खरीदने के निर्देश दिए हैं। कई निजी स्कूल एनसीईआरटी पाठ्यक्रम के साथ-साथ निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें भी अनिवार्य कर रहे हैं। जबकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में एनसीईआरटी की सस्ती और मानक पुस्तकों से पढ़ाई पर जोर दिया गया है। इसके बावजूद निजी किताबों का बोझ अभिभावकों पर डाला जा रहा है। वीडियो जारी कर महिला ने की कार्रवाई की मांग नगर की महिला शाहीन जमाल ने इंटरनेट मीडिया पर वीडियो जारी कर कहा कि प्राइवेट स्कूल कापी-किताबों और यूनिफार्म के लिए एक ही दुकान तय कर अभिभावकों को मजबूर कर रहे हैं। उन्होंने इसे सीधा आर्थिक शोषण बताते हुए सिटी मजिस्ट्रेट से कार्रवाई की मांग की है।वीडियो में कहा कि सरकारी स्कूलों में पढ़ाई का स्तर भी बेहद कमजोर है, जिससे गरीब परिवारों के बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है। उन्होंने सरकारी स्कूलों में नियमित जांच और निजी स्कूलों की मनमानी पर सख्त रोक लगाने की मांग की, जिससे अभिभावकों को राहत मिल सके। पिछले साल डीएम ने लगाया था 33 स्कूलों पर जुमार्ना

पिछले शैक्षिक सत्र में जिले के प्राइवेट स्कूलों द्वारा महंगी निजी प्रकाशकों की किताबें थोपने और अभिभावकों को तय दुकानों से खरीदारी के लिए मजबूर करने के मामले में जिलाधिकारी डा. राजेंद्र पैंसिया ने कार्रवाई की थी। 12 अप्रैल 2025 को गठित जांच टीम की रिपोर्ट में गड़बड़ी मिलने पर 17 अप्रैल को जिला शुल्क नियामक समिति की संस्तुति के बाद जिले के प्रतिष्ठित 33 स्कूलों पर एक-एक लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया था। डीएम ने चेतावनी दी थी

मंडियों में किसानों की सहूलियत के लिए हरियाणा सरकार ने बदला एंट्री का तरीका

चंडीगढ़: हरियाणा की अनाज मंडियों में फसल सीजन के दौरान गेट पास कटवाने के लिए घंटों लाइन में लगने वाले किसानों के लिए राहत भरी खबर है। प्रदेश सरकार ने 'मेरी फसल-मेरा ब्यौरा' और ई-खरीद पोर्टल की प्रक्रिया को और अधिक सरल बनाते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली की नंबर प्लेट की अनिवार्यता से जुड़े नियमों में बड़ी ढील दी है। अब किसान अपनी ट्रॉली पर या एक साधारण कागज पर वाहन का नंबर लिखकर भी मंडी में प्रवेश पा सकेंगे। दरअसल, पिछले कुछ सीजन के दौरान यह देखा गया था कि मंडियों के गेट पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (ANPR) सिस्टम या कर्मचारी द्वारा नंबर प्लेट की फोटो लेने की प्रक्रिया में काफी समय खराब होता था। कई पुराने ट्रैक्टरों या ट्रॉलियों पर नंबर प्लेट स्पष्ट नहीं होती थी, जिसके कारण गेट पास जनरेट नहीं हो पाता था और मंडियों के बाहर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती थीं। किसानों की इस व्यावहारिक समस्या को देखते हुए विभाग ने निर्देश जारी किए हैं कि तकनीकी पेचीदगियों के कारण किसी भी किसान की फसल की एंट्री नहीं रोकी जाएगी। नए आदेशों के अनुसार, मंडी के प्रवेश द्वार पर अब निम्नलिखित विकल्प मान्य होंगे। यदि ट्रैक्टर या ट्रॉली पर नंबर प्लेट नहीं है, तो किसान एक सफेद कागज पर अपना पंजीकृत वाहन नंबर लिखकर गेट ऑपरेटर को दे सकता है। गेट ऑपरेटर उस कागज पर लिखे नंबर को पोर्टल में मैन्युअल रूप से दर्ज करेगा, जिससे तुरंत गेट पास जारी हो जाएगा। यह नंबर किसान के 'मेरी फसल-मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर पंजीकृत डेटा से मेल खाना चाहिए।

किसानों और आढ़तियों ने किया स्वागत सरकार के इस फैसले का किसान संगठनों और आढ़ती एसोसिएशन ने स्वागत किया है। किसानों का कहना है कि कटाई के पीक सीजन में समय सबसे महत्वपूर्ण होता है। नंबर प्लेट के छोटे से झंझट के कारण मंडी के बाहर रात गुजारनी पड़ती थी, जो अब नहीं होगा।

गुजारा भत्ता खारिज: 16 लाख का समझौता छिपाने पर पत्नी को हाईकोर्ट की फटकार, फैमिली कोर्ट का आदेश रद्द

चंडीगढ़: पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें एक व्यक्ति को अपनी पूर्व पत्नी को मासिक भरण-पोषण के रूप में 5000 रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। जस्टिस शालिनी सिंह नागपाल ने महिला की भरण-पोषण याचिका को इसलिए खारिज कर दिया क्योंकि उसने यह खुलासा नहीं किया कि उसे समझौते के रूप में पहले ही 16 लाख रुपए मिल चुके हैं। इसी जानकारी के आधार पर याचिका को खारिज कर दिया गया है। पीठ ने कहा कि जो वादी झूठे तथ्य प्रस्तुत करके या अहम तथ्यों को छिपाकर कोर्ट को गुमराह करने का प्रयास करता है, वह किसी भी प्रकार की राहत पाने का हकदार नहीं है। हाईकोर्ट फैमिली कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। पूर्व पत्नी और पूर्व पति दोनों ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट का रुख किया था। इस दंपति ने 1998 में शादी की और उनके 3 बच्चे हुए। हालांकि, बाद में उनके वैवाहिक जीवन में खटास आ गई और 2007 में उनका तलाक हो गया। इसके बाद, उन्होंने अम्बाला की फैमिली कोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया कि उनके पति ने उनका और बच्चों का भरण-पोषण करने से इंकार कर दिया था। महिला ने 15,000 रुपए के मासिक भरण-पोषण के लिए प्रार्थना की, जिसमें उसने बताया कि उसका पूर्व पति कुरुक्षेत्र में कृषि भूमि से प्रति माह 3 लाख रुपए कमा रहा था और साथ ही यूनाइटेड किंगडम में भी प्रति माह 3 लाख रुपए से अधिक कमा रहा था। हालांकि पूर्व पति ने इसका विरोध करते हुए कहा कि उसे 2010 में एक दीवानी मुकद्दमे में उससे भरण-पोषण के रूप में पहले ही 16 लाख रुपए मिल चुके हैं। यह भी तर्क दिया गया कि उसने इंग्लैंड में किसी और से शादी कर ली है। उसने दावा किया कि वह बेरोजगार है और उसकी कोई आमदनी नहीं है। फैमिली कोर्ट ने उसे 5,000 मासिक भरण-पोषण और 5500 रुपए मुकद्दमेबाजी खर्च का भुगतान करने का आदेश दिया था। यह फैसला सुनाते हुए कि दीवानी मुकद्दमे में हुए समझौते का उल्लंघन किया गया था। कोर्ट ने फैसला सुनाया कि ऐसे समझौते को पूर्व पत्नी के भरण-पोषण के अधिकार को समाप्त करने के लिए कानूनी समझौता नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा कि याची या पूर्व पत्नी को यह खुलासा करना अनिवार्य था कि उसे दीवानी मुकद्दमे में हुए समझौते के बाद अपने पूर्व पति के पिता से पहले ही 16 लाख रुपए मिल चुके थे। समझौते के तहत दोनों बेटियां पिता के साथ और बेटा मां के साथ रहेगा। इसमें कहा गया कि 16 लाख रुपए की राशि मां के भविष्य के भरण-पोषण और नाबालिग बेटे की शिक्षा एवं परवरिश के लिए दी गई थी। चूंकि इस बात का खुलासा फैमिली कोर्ट के समक्ष नहीं किया गया था, इसलिए कोर्ट ने पति की पुनरीक्षण याचिका स्वीकार कर ली।

सावधान! तेल की किल्लत की खबर पर रेवाड़ी के डीसी का बड़ा बयान

रेवाड़ी: जिले में गैस, पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को लेकर फैल रही अफवाहों के बीच रेवाड़ी जिला उपायुक्त ने स्थिति पूरी तरह स्पष्ट करते हुए कहा है कि जिले में किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। आम जनता को घबराने की बिल्कुल जरूरत नहीं है, क्योंकि सप्लाई पूरी तरह से सुचारू रूप से चल रही है और निकट भविष्य में भी किसी कमी की कोई आशंका नहीं है। डीसी ने कहा कि कुछ लोग अफवाह फैलाकर अनावश्यक रूप से माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है और ऐसे लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ भी कड़ी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने रेवाड़ी की जनता से अपील करते हुए कहा कि गैस सिलेंडर, पेट्रोल और डीजल की सप्लाई पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। सभी पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों पर सामान्य व्यवस्था बनी हुई है। साथ ही कमर्शियल गैस सिलेंडरों को प्राथमिकता के आधार पर स्कूलों और अस्पतालों में उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि आवश्यक सेवाएं प्रभावित न हों। बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान के सवाल पर डीसी ने कहा कि प्रशासन ने सभी पटवारियों को खेतों में भेज दिया है, ताकि नुकसान का सही आकलन किया जा सके। उन्होंने बताया कि जिन क्षेत्रों में 25 फीसदी से अधिक फसल खराब पाई जाएगी, वहां किसानों के लिए क्षतिपूर्ति पोर्टल कल से खोल दिया जाएगा, ताकि प्रभावित किसान जल्द से जल्द मुआवजे के लिए आवेदन कर सकें। डीसी ने कहा कि प्रशासन हर स्थिति पर नजर बनाए हुए है और आमजन के साथ-साथ किसानों के हितों की भी पूरी सुरक्षा की जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और केवल प्रशासन की आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें।

मीठी बातों में फंसाकर लूटते थे गहने, 2 शातिर चोर चढ़े पुलिस के हत्थे, कई वारदातों का खुलासा

शहर में अकेले जा रहे बुजुर्ग महिला-पुरुषों को अपनी मीठी बातों में फंसाकर ठगने वाले

रेवाड़ी : शहर में अकेले जा रहे बुजुर्ग महिला-पुरुषों को अपनी मीठी बातों में फंसाकर सोने के आभूषण और नकदी ठगने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का उक्ब रेवाड़ी ने पदार्फाश कर दिया है। पुलिस ने गिरोह के दो शातिर सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से ठगी के दो जोड़ी सोने के कुंडल बरामद किए हैं। आरोपियों की पहचान राजस्थान के जिला खैरथल-तिजारा के मातोर रोड निवासी गोविंद और मोहल्ला गुर्जरवाड़ा, रेवाड़ी निवासी राजकुमार के रूप में हुई है। डीएसपी बावल सुरेंद्र श्योराण ने प्रेस वार्ता में बताया कि 9 फरवरी को मोहल्ला बंजारवाड़ा निवासी एक बुजुर्ग महिला को दोनों आरोपियों ने रोककर बातों में उलझाया और कहा कि उनकी लॉटरी निकली है। लालच में लेकर उन्होंने महिला के कानों से सोने के कुंडल उतरवा लिए। इसके बाद बहाना बनाकर आरोपी मौके से फरार हो गए। इसी प्रकार 6 फरवरी को पीएनबी बैंक, सर्कुलर रोड के पास एक अन्य बुजुर्ग महिला को भी दोनों शातिरों ने अपना शिकार बनाया। वहां उन्होंने महिला को भरोसे में लेकर एक जोड़ी सोने के कुंडल और 6 हजार रुपये नकद ठग लिए।

दोनों घटनाओं के बाद थाना शहर रेवाड़ी में अलग-अलग ठगी के मुकदमे दर्ज किए गए, जिनकी जांच उक्ब रेवाड़ी को सौंपी गई। जांच के दौरान उक्ब टीम ने सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर तंत्र और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की। शुक्रवार को पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से दबिश देकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने दोनों वारदातों को अंजाम देना कबूल कर लिया, जिसके बाद उनकी निशानदेही पर ठगे गए सोने के दो जोड़ी कुंडल बरामद किए गए। अदालत में पेश करने के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी विशेष रूप से ऐसे बुजुर्ग महिला-पुरुषों को निशाना बनाते थे, जो अकेले आते-जाते हों। जैसे ही पीड़ित उनके जाल में फंसता, आरोपी मौके का फायदा उठाकर आभूषण और नकदी लेकर फरार हो जाते थे। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी गोविंद के खिलाफ राजस्थान के अलवर और खैरथल-तिजारा के विभिन्न थानों में ठगी के 12 मामले पहले से दर्ज हैं। वहीं आरोपी राजकुमार के खिलाफ जिला महेंद्रगढ़ और राजस्थान के अलग-अलग थानों में 6 मामले दर्ज हैं।

समावेशी शिक्षा की दिशा में बड़ा कदम, 134-ए के तहत शुल्क प्रतिपूर्ति अनुदान किया जारी

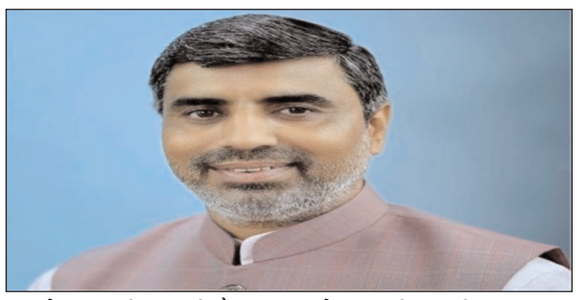

चंडीगढ़ : हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा के नेतृत्व में स्कूल शिक्षा विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 134-ए के अंतर्गत ई.डब्ल्यू.एस. एवं बी.पी.एल. वर्ग के विद्यार्थियों के लिए शुल्क प्रतिपूर्ति अनुदान राशि जारी कर अपने वायदे को पूरा किया है। विभाग द्वारा कुल 31.88 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई है, जिससे राज्य के सात जिलों अम्बाला, गुरुग्राम, फतेहाबाद, कैथल, महेंद्रगढ़, पंचकूला और रोहतक के निजी विद्यालयों को लाभ हुआ है। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि यह कदम राज्य सरकार की समावेशी शिक्षा नीति को सशक्त बनाने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से यह योजना निरंतर प्रभावी रूप से लागू की जा रही है। इस अनुदान से न केवल विद्यार्थियों को राहत मिलेगी, बल्कि निजी विद्यालयों को भी समय पर वित्तीय सहायता सुनिश्चित होगी। महिपाल ढांडा ने कहा कि हरियाणा सरकार शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी बच्चा आर्थिक अभाव के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। 134-ए के तहत दी जा रही यह सहायता उसी दिशा में एक सार्थक पहल है। उन्होंने कहा कि विभाग भविष्य में भी इसी प्रकार पारदर्शिता और तत्परता के साथ योजनाओं को लागू करता रहेगा, ताकि शिक्षा प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके। यह पहल न केवल शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाएगी, बल्कि समाज में समानता और समावेशिता को भी बढ़ावा देगी।

डॉक्टरों को अब बाहर की दवा लिखने पर बताना होगा कारण, सीएम सैनी ने दिए सख्त निर्देश

हरियाणा : हरियाणा सरकार ने प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता और उपयोग को लेकर सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यदि कोई डॉक्टर मरीज को बाहर से दवा लिखता है तो उसे यह बताना अनिवार्य होगा कि संबंधित दवा अस्पताल में उपलब्ध क्यों नहीं थी। ऐसा न करने पर संबंधित चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सचिवालय में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने दवा प्रबंधन प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अब सभी सरकारी अस्पतालों में दवाओं का रिकॉर्ड रियल टाइम सेंट्रलाइज्ड पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा, जिससे दवाओं की उपलब्धता पर लगातार नजर रखी जा सके। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमवो) अस्पतालों में दवाओं की जरूरत का आकलन कर कम से कम चार दिन पहले संबंधित एजेंसियों को सूचित करें, ताकि किसी भी अस्पताल में दवाओं की कमी न हो। बैठक में डॉक्टरों की कमी को भी गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने आवश्यकतानुसार संविदा (कॉन्ट्रैक्ट) के आधार पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के लिए डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित की जाए.इसके अलावा अस्पतालों में सीटी स्कैन, एमआरआई जैसी आधुनिक जांच सुविधाओं, उपकरणों की उपलब्धता, स्टाफ की गुणवत्ता और सेवाओं में सुधार पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया। दवाओं और उपकरणों की खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के साथ-साथ अस्पतालों में साफ-सफाई, एंबुलेंस सेवा, एलपीजी व्यवस्था और मरीजों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए।

बाप रे बाप! पीएम रैली के एक साल बाद भी तेल का बिल बाकी, 10 पेट्रोल पंपों के 8 लाख अटके

झज्जर: हिसार में 14 अप्रैल 2025 को पीएम नरेंद्र मोदी एयरपोर्ट का उद्घाटन समारोह के लिए आए थे। प्रशासन के द्वारा रैली में शामिल होने के लिए विभिन्न निजी वाहनों को अलग-अलग जिलों से हिसार भेजा था। समारोह में जाने वाली गाड़ियों में ईंधन भरा गया था। उनकी पेमेंट करीब 1 साल बाद भी नहीं हुई है। बताया गया कि हिसार, झज्जर, रोहतक, यमुनानगर समेत अन्य जिलों के 10 से ज्यादा पेट्रोल पंपों का करीब 8 लाख रुपए बकाया है। अब पेमेंट कैसे होगी, इसकी जानकारी पेट्रोल पंप संचालकों को नहीं है। झज्जर से तो 1 पेट्रोल पंप संचालक ने इसके लिए सीएम विंडो में भी शिकायत दी है, लेकिन उसका जवाब भी अब तक नहीं मिल सका है। झज्जर के जाखोदाव में ओम फिलिंग स्टेशन का 1 लाख व 29 हजार रुपए बकाया है। रोहतक के चार पेट्रोल पंपों का 2 लाख 75 हजार रुपए प्रशासन से लेना है। हिसार और यमुनानगर के पंप संचालकों का भी का पैसा बकाया है। झज्जर डीएफएससी कार्यालय के कोऑर्डिनेटर सुमित हुड्डा ने बताया कि झज्जर जिले के बहादुरगढ़ के जाखोदा स्थित ओम फिलिंग स्टेशन की पेमेंट 1,29,000 के करीब बाकी है। इसके लिए हमने हिसार डीसी ऑफिस में बिल भेज रखा है।

हरियाणा में इस आईएएस को मिला 3 महीने का सेवा विस्तार

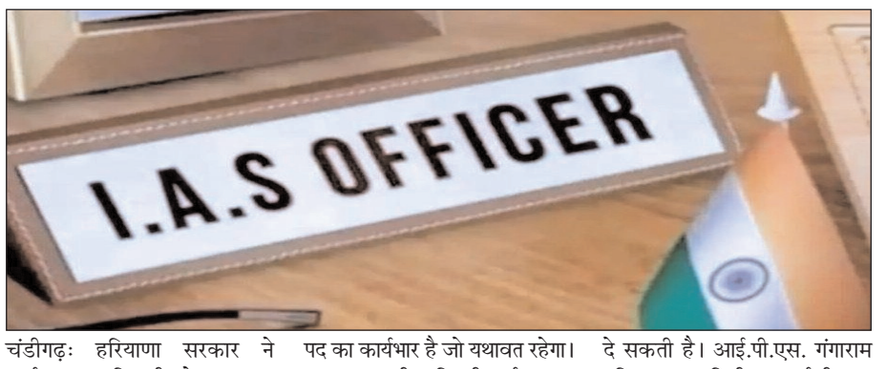

चंडीगढ़: हरियाणा सरकार ने आई.ए.एस. अधिकारी मुकेश आहूजा को 31 मार्च को सेवानिवृत्ति के दिन 3 महीने का सेवा विस्तार दिया है। अब वह 30 जून तक सरकार में सेवाएं देंगे। आहूजा के पास हरियाणा मार्कीटिंग बोर्ड के मुख्य प्रशासक और हरियाणा लोक सेवा आयोग में सचिव पद का कार्यभार है जो यथावत रहेगा। आहूजा की गिनती ईमानदार अधिकारियों में होती है और उनके समय में हरियाणा लोक सेवा आयोग की विभिन्न परीक्षाओं में पारदर्शिता दिखाई दी।

चर्चा है कि 3 महीने बाद भी सरकार उन्हें किसी अहम पद पर जिम्मेदारी दे सकती है। आई.पी.एस. गंगाराम पूनिया हुए रिलीव आई.पी.एस. अधिकारी गंगाराम पूनिया को हरियाणा सरकार ने रिलीव कर दिया है। अब वह इसी सप्ताह सी.बी. आई. में अपनी ज्वाइनिंग देंगे। गंगाराम पुनिया पिछले कई महीनों से ए.सी.बी. में एस.पी. पद पर तैनात थे।

हरियाणा शिक्षा विभाग का अभिभावकों को बड़ा झटका, हजारों गरीब बच्चों की पढ़ाई पर मंडराया संकट

हरियाणा : हरियाणा में शिक्षा विभाग ने चिराग योजना में बदलाव कर दिया। बदलाव करते हुए आय सीमा फिर से घटा दी है। पहले आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के दायरे को बढ़ाते हुए अभिभावकों की वार्षिक आय सीमा 1.80 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये कर दी गई थी, लेकिन अब विभाग ने इस फैसले को वापस लेते हुए दोबारा 1.80 लाख रुपये कर दिया है।बताया जा रहा है कि इस फैसले के साथ ही योजना का दायरा काफी सीमित हो गया है। अब केवल वही छात्र प्राइवेट मान्यता प्राप्त स्कूलों में दाखिले के पात्र होंगे, जिनके परिवार की सालाना आय 1.80 लाख रुपये या उससे कम है। चिराग योजना में बदलाव के चलते रणदीप सुरजेवाला भाजपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा कि हरियाणा को "अनपढ़ बनाने की गारंटी" बनी भाजपा का, बच्चों की शिक्षा पर एक और हमला! सालाना 8 लाख तक की वार्षिक आय वाले परिवारों के बच्चों से निःशुल्क शिक्षा का हक भी, अब नायब सरकार ने छीन लिया। पूरे प्रदेश में "चिराग योजना" के तहत चिन्हित कुल 1108 मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों की 47,255 सीटों पर छठी से 12वीं तक दाखिला होना है। मगर सरकार के नए फरमान के मुताबिक अब केवल ड्ड1,80,000 तक की सालाना आय वाले परिवारों के बच्चे ही, इस योजना के तहत प्राइवेट स्कूलों में दाखिले के लिए आवेदन कर सकेंगे और उसके बाद बच्चों को दाखिले का लाभ नहीं मिलेगा। 'चिराग योजना' के तहत निम्न मध्यम वर्गीय परिवारों के बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में मिलने वाली निःशुल्क शिक्षा का रास्ता बंद कर, भाजपा ने अपना असली चेहरा दिखा दिया है।

कुछ दिनों से लापता थी पत्नी, ससुराल वालों की धमकी से परेशान व्यक्ति ने उठाया खौफनाक कदम

पानीपत : पानीपत जिले के सेक्टर-25 स्थित फ्लोर चौक के पास व्यक्ति ने फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मामला पानीपत के फ्लोरा चौक के पास का है जहां पर धर्मेंद्र उम्र 40 वर्ष ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के परिवार वालों ने बताया कि धर्मेंद्र की पत्नी कुछ समय से घर से लापता थी जिसकी कंप्लेंट परिवार के लोगों ने थाने में भी दी थी, 00लेकिन जब से धर्मेंद्र की पत्नी घर से लापता थी तभी से ससुराल वालों की तरफ से धर्मेंद्र को लगातार धमकी दी जा रही थी। इसी से परेशान होकर धर्मेंद्र ने आज सुबह फांसी का फंदा लगा ली। इसके बाद मृतक के परिवार वालों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। परिवार के लोगों ने बताया कि ससुराल के लोगों द्वारा लगातार धमकी देने की वजह से ही धर्मेंद्र परेशान था जिसके चलते उसने यह कदम उठाया है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है।

'मैं जिंदा नहीं रहूंगा, घर में डेड बॉडी ही पहुंचेगी'...50 लाख गंवाने के बाद युवक ने किया सुसाइड, दलाल पर गंभीर आरोप

सोनीपत : सोनीपत में विदेश जाने के सपने ने एक युवक की जान ले ली, जबकि दूसरा युवक जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। जानकारी के अनुसार सोनीपत के छोटूराम चौक स्थित एक रेस्टोरेंट में 2 युवकों ने जहरीला पदार्थ निगल लिया, जिसके बाद दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरे का निजी अस्पताल में इलाज जारी है। फिलहाल सीटी थाना पुलिस मामले को जांचे जुटी हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार दोनों युवकों की पहचान अंकुश, निवासी कांलवा (जिला जींद) और रोहित, निवासी झरोठी (जिला सोनीपत) के रूप में हुई है। दोनों आपस में रिश्तेदार हैं और बुआ तथा मामा के बेटे बताए जा रहे हैं। घटना के बाद दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान रोहित की मौत हो गई, जबकि अंकुश की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है।मामले में मृतक और घायल दोनों युवकों के परिजनों ने विदेश भेजने वाले एक दलाल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि अमेरिका भेजने के नाम पर दलाल को 50 लाख रुपये दिए गए थे, लेकिन जब पैसे वापस मांगे गए तो दलाल ने रुपये लौटाने से इनकार कर दिया। इसी आर्थिक और मानसिक तनाव के चलते दोनों युवकों ने यह खौफनाक कदम उठाया।विदेश भेजने के नाम पर दलाल ने की 50 लाख की ठगी परिजनों का आरोप है कि विदेश भेजने वाले जिस दलाल से संपर्क किया गया था, उसका नंबर उन्हें दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने दिया था। परिवार का दावा है कि इसी संपर्क के माध्यम से दलाल तक पहुंचे थे और उसी के कहने पर 50 लाख रुपये दिए गए थे। परिजनों के मुताबिक, पैसे वापस न मिलने और लगातार मानसिक दबाव में रहने के कारण युवकों ने आत्मघाती कदम उठाया। परिजनों ने यह भी बताया कि जहरीला पदार्थ निगलने से पहले रोहित ने अपने ताऊ को फोन कर कहा था कि वह अब जिंदा नहीं रहेगा और उसकी डेड बॉडी ही घर पहुंचेगी। यह सुनकर परिजन सकते में आ गए, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी।

फिलहाल पूरे मामले में पुलिस ने मीडिया के कैमरे से दूरी बना ली है। वहीं परिजनों ने चेतावनी दी है कि यदि आरोपित दलाल और उससे जुड़े लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं की गई तो वे रोहित के शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन करेंगे। घटना की सूचना मिलने के बाद सोनीपत सिटी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस दलाल, कथित दिल्ली पुलिस अधिकारी और अन्य संबंधित लोगों की भूमिका की पड़ताल में जुटी हुई है।

डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थल

भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर सतधारा फाल्स में लीजिए शांति का अनुभव

सतधारा झरना या फाल्स हिमाचल प्रदेश की चंबा घाटी में स्थित है, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और ताजे देवदार के पेड़ों के शानदार दृश्यों से घिरा हुआ है। 'सतधारा' का मतलब होता है सात झरने, इस झरने का नाम सातधारा सात खूबसूरत झरनों के जल के एक साथ मिलने की वजह से रखा गया है। इन झरनों का पानी समुद्र से 2036 मीटर ऊपर एक बिंदु पर मिलता है। यह जगह उन लोगों के लिए एक खास है, जो शहर की भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं। सतधारा फाल्स अपने औषधीय गुणों की वजह से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां के पानी में अभ्रक पाया जाता है, जिसमें त्वचा के रोग ठीक करने के गुण होते हैं।

अगर आप डलहौजी के पास घूमने की अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो सतधारा फाल्स आपके लिए एक अच्छी जगह है। इसे स्थानीय भाषा में 'गंडक' के नाम से जाना जाता है। यहां का पानी साफ क्रिस्टल और निर्मल है। राजसी सतधारा झरने का पानी की बूंदे जब चट्टानों पर टकराकर उछलती हैं तो पर्यटकों को बेहद आनंदित करती हैं। यहां पानी से गीली हुई मिट्टी की खुशबू हवा को ताजा कर देती है। सतधारा जलप्रपात को चारों ओर का दृश्य अपनी भव्यता के साथ दर्शकों को बेहद प्रभावित करता है। अगर आप सतधारा फाल्स घूमने के अलावा इसके पर्यटन स्थलों की सैर भी करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ें, इसमें हमने सतधारा फाल्स जाने के बारे में और इसके पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पूरी जानकारी दी है।

सतधारा जलप्रपात की मुख्य विशेषताएं

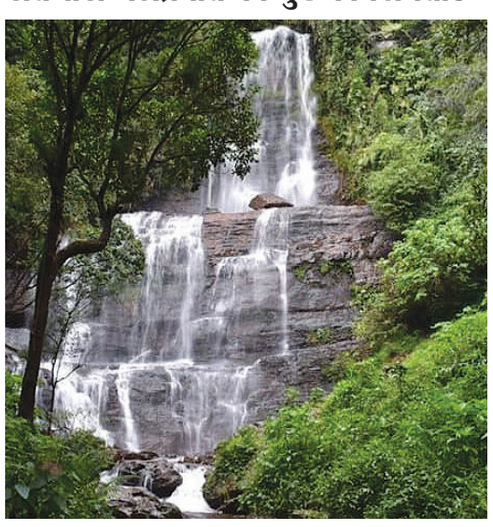

सतधारा जलप्रपात का अपना अलग औषधीय मूल्य है। स्प्रिंग्स में तत्व माइका तत्व पाया जाता है, जिसमें ऐसे औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से कई बीमारियों का इलाज कर सकता है। यह चकाचौंध वाला झरने पंचपुला के रास्ते में स्थित हैं, जो डलहौजी में घूमने के लिए एक और बहुत ही लोकप्रिय जगह है। सतधारा झरने से सूर्यास्त का दृश्य बस शानदार दिखाई देता है, पर्यटकों को देखने में ऐसा लगता है कि एक पीली आग की नारंगी गेंद घूमती है और धीरे-धीरे पहाड़ियों के पीछे छुप जाती है।

सतधारा फाल्स घूमने के लिए टिप्स

- जब आप झरने के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इसमें चारों ओर छींटे आपके कपड़ों को गीला कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त कपड़ें ले जाना न भूलें।
- फॉल्स से सूर्यास्त देखने के लिए वहां उपस्थित रहने की कोशिश करें।
- ऐसे जूते पहनें जो आपको अच्छी पकड़ और आराम दें, क्योंकि चट्टानों में काई से फिसलन होती है।
- अपने साथ कैमरा ले जाना न भूलें।

सतधारा फाल्स के आसपास के प्रमुख पर्यटन और आकर्षण स्थल

सतधारा फाल्स डलहौजी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप इस फाल्स के अलावा डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं तो यहां दी गई जानकारी को जरूर पढ़ें।

बकरोटा हिल्स

बकरोटा हिल्स जिसे अपर बकरोटा के नाम से भी जाना जाता है, यह डलहौजी का सबसे ऊंचा इलाका है और यह बकरोटा वॉक नाम की एक सड़क का सर्किल है, जो खजियार की ओर जाती है। भले ही इस जगह पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन यहां टहलना और चारों तरफ के आकर्षक दृश्यों को देखना पर्यटकों की आंखों को बेहद आनंद देता है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र चारों तरफ से देवदार के पेड़ों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

सच पास

सच दर्रा पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला के ऊपर 4500 मीटर की ऊंचाई से होकर जाता है और डलहौजी को चंबा और पांगी घाटियों से जोड़ता है। आपको बता दें कि डलहौजी से 150 किमी की दूरी पर यह मार्ग उत्तर भारत में पार करने के लिए सबसे कठिन मार्गों में से एक है, जो लोग एडवेंचर पसंद करते हैं तो अक्सर सच पास (जब यह खुला होता है) का दौरा करते हैं और यहां से बाइक या कार चलाने का रोमांचक अनुभव लेते हैं। अगर आप इस मार्ग से यात्रा करें तो जोखिम न लें और अपने साथ एक अनुभवी ड्राइवर लेकर जाएं। यह चंबा या पांगी घाटी तक पहुंचने के लिए लोगों का पसंदीदा रास्ता है और डलहौजी से ट्रेकिंग के लिए एक प्रसिद्ध बिंदु है।

सुभाष बावली

सुभाष बावली डलहौजी में गांधी चौक से 1 किमी दूर स्थित एक ऐसी जगह है, जिसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया। सुभाष बावली एक ओर अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, दूर-दूर तक फैले बर्फ के पहाड़ों दृश्यों और सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुभाष बावली वो जगह है, जहां पर सुभाष चंद्र बोस 1937 में स्वास्थ्य की खराबी के चलते आए थे और वो इस जगह पर 7 महीने तक रहे थे। इस जगह पर रहकर वे बिलकुल ठीक हो गए थे। आपको बता दें कि यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है, जो हिमनदी धारा में बहता है।

डैनकुंड पीक

डैनकुंड पीक जिसे सिंगिंग हिल के नाम से भी जाना जाता है, जो डलहौजी में समुद्र तल से 2755 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि यह डलहौजी में सबसे ऊंचा स्थान होने के कारण यहां से घाटियों और पहाड़ों के अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए शांत जगह स्वर्ग के सामान है। डलहौजी क्षेत्र में स्थित डैनकुंड सचमुच देखने लायक जगह है, जो अपनी खूबसूरत बर्फ से ढकी चोटियों और हरे-भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। डैनकुंड पीक हर साल भारी संख्या में देश भर से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

गंजी पहाड़ी

गंजी पहाड़ी पठानकोट रोड पर डलहौजी शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक सुंदर पहाड़ी है। इस पहाड़ का नाम गंजी पहाड़ी इसकी खास विशेषता से लिया गया था, क्योंकि इस पहाड़ी पर वनस्पतियों की पूर्ण अनुपस्थिति है। गंजी का मतलब होता है गंजापन। डलहौजी के पास स्थित होने की वजह से यह पहाड़ी एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है। सर्दियों के दौरान यह इलाका मोटी बर्फ से ढक जाता है, जो मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

चामुंडा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर देवी काली को समर्पित एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां पर देवी अंबिका ने मुंडा और चंदा नाम के राक्षसों का वध किया था। इस मंदिर में देवी को एक लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, यहां आने वाले पर्यटकों को देवी की मूर्ति को छूने नहीं दिया जाता। इस क्षेत्र में पर्यटकों को कई सुंदर दृश्य भी देखने को मिलते हैं।

रॉक गार्डन

रॉक गार्डन डलहौजी में एक सुंदर उद्यान और एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। इस पार्क में पर्यटक आराम करने के अलावा, इस क्षेत्र में उपलब्ध कई साहसिक खेलों का भी मजा ले सकते हैं, जिनमें जिप लाइनिंग आदि शामिल हैं।

खाज्जिअर

खाज्जिअर डलहौजी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है जिसको 'मिनी स्विट्जरलैंड' या 'भारत का स्विटजरलैंड' के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित खाज्जिअर अपनी प्राकृतिक सुंदरता की वजह से डलहौजी के पास घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। इस जगह होने वाले साहसिक खेल जोरबिंग, ट्रेकिंग पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पंचपुला

पंचपुला हरे देवदार के पेड़ों के आवरण से घिरा एक झरना है, जो डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। पंचपुला वो जगह है, जहां पर पांच धाराएं एक साथ आती हैं। पंचपुला की मुख्य धारा डलहौजी के आसपास विभिन्न जगहों में पानी की पूर्ति करती है। यह जगह ट्रेकिंग और खूबसूरत दृश्यों की वजह से जानी जाती है। पंचपुला के पास एक महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह (शहीद भगत सिंह के चाचा) की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में इस जगह के प्राचीन पानी का सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, जब पानी गिरता तो यहां का वातावरण पर्यटकों को आनंदित करता है।

डलहौजी जाने के लिए यह है सबसे अच्छा समय

डलहौजी अपनी आदर्श जलवायु की वजह से एक ऐसी जगह है, जहां आप पूरे वर्ष भर घूम सकते हैं। हालांकि, डलहौजी जाने का सबसे अच्छा समय मार्च-जून के बीच का होता है। मार्च और अप्रैल के महीनों में यहां पर बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है और जब सूरज की किरणें बर्फ से ढके पहाड़ों और चरागाहों से टकराती है, तब इस जगह की चमक देखने लायक होती है। इस समय यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है आप मार्च और अप्रैल में ठंड का अनुभव कर सकते हैं और जून के महीने में यहां का तापमान थोड़ा बढ़ने लगता है। गर्मियों के महीनों में भी डलहौजी का मौसम काफी अच्छा होता है, जिसकी वजह से यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के सामान है। मानसून भी यहां का मौसम सुहावना है, क्योंकि मध्यम वर्षा से आपकी योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आती। डलहौजी में सर्दियां साहसिक गतिविधियों के लिए सही हैं।

हवाई जहाज से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: हवाई जहाज से डलहौजी पहुंचने कांगड़ा में गग्गल हवाई अड्डा इसका सबसे निकटतम घरेलू हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा शहर से 13 किमी दूर है और यहां से डलहौजी हिल स्टेशन तक पहुंचने के लिए टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप अन्य हवाई अड्डे चंडीगढ़ (255 किमी), अमृतसर (208 किमी) और जम्मू (200 किमी) के लिए भी उड़ान ले सकते हैं।

रेलगाड़ी से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी का सबसे निकटतम रेल स्टेशन पठानकोट है, जो इस पहाड़ी शहर से 80 किमी दूर स्थित है और भारत के विभिन्न शहरों, जैसे दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से कई ट्रेनों के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पठानकोट रेलवे स्टेशन से डलहौजी पहुंचने के लिए आपको बाहर से टैक्सियां मिल जाएंगी।

सड़क मार्ग से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी सड़क मार्ग की मदद से आसपास के प्रमुख शहरों और जगहों से जुड़ा हुआ है। राज्य बस सेवा और लक्जरी कोच डलहौजी को आसपास की सभी प्रमुख जगहों और शहरों से जोड़ते हैं। दिल्ली से डलहौजी के लिए रात भर लक्जरी बसें भी उपलब्ध हैं। इस मार्ग पर टैक्सी और निजी वाहन भी मिल जाते हैं।

स्त्री की देह के आकार वाली है रेणुका झील

रेणुका झील हिमाचल प्रदेश के नाहन से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रेणुका झील की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 2200 फीट है। यह एक अत्यंत रमणीक झील है, जो लगभग तीन किलोमीटर लंबी तथा आधा किलोमीटर चौड़ी एक अदभुत झील है। इस झील का आकार एक लेटी हुई स्त्री की देह के समान है। जो इसे अदभुत एवं अनोखा बनाता है।

इस झील के चारों ओर हरियाली एवं इसके पानी मे अठखेलियां करती मछलियां पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। इस झील की गणना एक पावन तीर्थ स्थल के रूप में भी की जाती है। हर वर्ष दिपावली के लगभग दस दिन बाद यहां एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। झील के किनारे मां रेणुका और परशुराम का प्रसिद्ध मंदिर है तथा एक छोटा सा चिडियाघर है, जो पर्यटकों को काफी पसंद आता है। झील में मनोरंजन के लिए बोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें बैठकर सैलानी झील के चारों ओर की प्राकृतिक सुंदरता के दर्शन कर सकते हैं, रेणुका झील का स्त्री रूपी आकार देखने के लिए यहा से आठ किलोमीटर ऊपर जामु चोटी पर जाना पड़ता है। जहां से रेणुका झील का आकार लेटी हुई स्त्री की देह के समान दिखाई पड़ता है।

रेणुका झील का इतिहास

रेणुका झील कैसे बनी और इसकी धार्मिक महत्व के पीछे कई मशहूर दंत कथाए प्रचलित हैं। एक कहानी के अनुसार कहा जाता है कि बहुत समय पहले यहां राजा रेणु रहा करते थे। उनकी दो सुंदर पुत्रियां थीं, जिनमें से एक नैनुका तथा दूसरी पुत्री रेणुका थी। एक बार राजा ने दोनो पुत्रियों से प्रश्न किया कि वो किसका दिया खाती हैं, जिसके जवाब में नैनुका ने कहा कि वह अपने पिता का दिया खाती है। जबकि रेणुका ने जवाब दिया कि वह भगवान का दिया और अपने नसीब का खाती हूं। रेणुका के जवाब से राजा अप्रसन्न हो गए और उन्होंने रेणुका को सबक सिखाने का निर्णय लिया। कुछ समय बाद राजा ने बड़ी पुत्री नैनुका का विवाह बड़ी धूम-धाम से एक पराक्रमी राजा सहस्त्रबाहु से कर दिया और छोटी पुत्री रेणुका को सबक सिखाने रेणुका का विवाह एक सीधे साधे तपस्वी ऋषि जमदग्नि से कर दिया। हालांकि रेणुका राजसी ठाठ-बाट मे पली बढ़ी थी। फिर भी उसने ऋषि जमदग्नि को अपना पति स्वीकार किया और तन मन से उसकी सेवा करने लगी। एक दिन राजा सहस्त्रबाहु की दृष्टि रेणुका पर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। वास्तव में रेणुका का रूप लावण्य उसके हृदय में उतर गया था। उसने उसी समय रेणुका को अपनी रानी बनाने का फैसला किया और रेणुका को पाने की युक्ति सोचने लगा। अपने षड्यंत्र के तहत एक दिन वह चुपचाप ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा और ध्यानमग्न जमदग्नि को उसने अपने बाण से मार डाला। उसके बाद वह रेणुका का चीरहरण करने उसकी तरफ बढ़ा। रेणुका सहस्त्रबाहु के अपवित्र इरादों को भांप गई और भागकर नीचे तलहटी मे जा पहुंची। सहस्त्रबाहु रेणुका का पीछा करता हुआ, उसके पीछे दौड़ा। इससे पहले वह रेणुका को पकड़ पाता। एकाएक धरती फटी और देखते ही देखते रेणुका उसमें समा गई। रेणुका के धरा में समाते ही पानी की धाराएं फूट पड़ी और देखते ही देखते उस स्थान ने एक झील का रूप धारण कर लिया। तभी से यह झील रेणुका झील के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

रेणुका झील कैसे पहुंचें

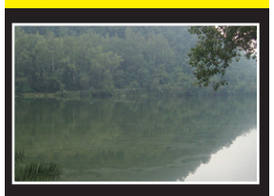

हवाई मार्ग

मुब्बार हटटी यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो यहां से 40 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से टैक्सी द्वारा जाया जा सकता है।

रेल मार्ग

यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कालका है, जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आप बस या टैक्सी के द्वारा जा सकते हैं।

सड़क मार्ग

यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा है।

सीरीज 'द रिवोल्यूशनरीज' का हिस्सा होंगे प्रतिभा रांटा और रोहित सराफ?

अभिनेता रोहित सराफ इन दिनों अभिनेत्री प्रतिभा रांटा के साथ रिश्ते को लेकर चर्चा में हैं। फिल्मफेयर के मुताबिक दोनों की आपस में अच्छी बनती है और वह अच्छे दोस्त हैं। दोनों को एक दूसरे का साथ पसंद आ रहा है। वे एक दूसरे के साथ अक्सर अच्छा वक्त बिताते हैं। उनके बीच अच्छा रिश्ता होने के बावजूद वह अपने रिश्ते को कोई नाम नहीं दे रहे हैं। कई जगहों पर एक साथ स्पॉट होने की वजह से दोनों चर्चा का विषय बने हुए हैं। दिलचस्प है कि न तो प्रतिभा रांटा और न ही रोहित सराफ ने अब तक अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की है।

इस सीरीज का होंगे हिस्सा

इस बीच खबर आ रही है कि रोहित और प्रतिभा सीरीज 'द रिवोल्यूशनरीज' का हिस्सा होंगे। इसके निर्देशक निखिल आडवाणी हैं। इसकी कहानी एक किताब पर आधारित है। इन दोनों कलाकारों के अलावा इसमें भुवन बाम, गुरफतेह पीरजादा और जेसन शाह होंगे। यह सीरीज इसी साल अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली है।

प्रतिभा रांटा का वर्कफ्रंट

प्रतिभा रांटा बॉलीवुड फिल्म 'लापता लेडीज' (2024) में नजर आ चुकी हैं। वह 'एक्यूज्ड' (2026) का भी हिस्सा रह चुकी हैं।

रोहित सराफ का वर्कफ्रंट

रोहित सराफ 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' (2025) और 'ठग लाइफ' (2025) का हिस्सा रहे हैं।

जिंदगी को भी 'गेम' जैसे खेलती हूं

'सेक्रेड गेम्स' की कुकू हो या 'द ट्रायल' की सना शेख, एक्ट्रेस कुब्रा सैत को जब भी दमदार किरदार मिले, उन्होंने उसे निचोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इन स्ट्रॉन्ग, कॉम्प्लेक्स लड़कियों में उन्होंने बिंदासियत और संवेदनशीलता का मिला-जुला रंग भरकर यादगार बना दिया। अब अपनी नई सीरीज 'संकल्प' में भी वह डीएसपी परवीन शेख की सशक्त भूमिका में हैं।

कुब्रा का कहना है, 'मैं खुशनसीब हूं कि मुझे ये किरदार निभाने को मिले। उनमें जो कॉम्प्लेक्सिटी है, उसे निभाना सौभाग्य की बात है। मैं इनसे सीख पाती हूं कि सिर्फ ताकतवर होना ही मजबूती नहीं है। असुरक्षित, टूटा होकर खड़ा होना भी ताकत है। मुझे लगता है कि ये जितने भी किरदार मैंने निभाए हैं, उनमें कुछ न कुछ मेरा होगा क्योंकि ये सारे रंग हम सबमें हैं। वो चाहे बिंदासियत हो, ताकत या असुरक्षित महसूस करना, इन किरदारों के जरिए मुझे अपने बारे में भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। अच्छी बात ये है कि ऑडियंस इनसे रिलेट कर पा रही है, पसंद कर रही है तो हम कुछ तो सही कर रहे है। यही चीज मुझे प्रेरित करती है।'

कुब्रा की पहली ही फिल्म रेडी सलमान खान जैसे सुपरस्टार के साथ थी। उनके साथ काम करते वक्त कोई डर या इंटीमिडेशन था, यह पूछने पर वह कहती हैं, 'नहीं यार, मैं बहुत कॉन्फिडेंट थी तो मैं सबके साथ बैठकर बातें करती थी। मुझे सबके बारे में जानना था। मैं सलमान खान सर के साथ भी बैठती थी। उनसे पूछती थी कि ये कैसे हुआ, वो कैसे हुआ, तो वे भी बातें करते थे। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि नई हूं तो कोने में बैठना जरूरी है।

टैलंट के बावजूद 15 साल लंबे करियर में कुब्रा मेन लीड में ना के बराबर ही दिखी हैं। क्या इस बात का कभी मलाल होता है? इस सवाल पर उन्होंने कहा, 'नहीं यार, ये सब सोचूंगी तो जो काम हो रहा है वो भी बंद हो जाएगा। मुझे बहुत कुछ क्रिएट करना है। अपना बहुत कुछ करना है। मैं इन बातों में फंसी तो आगे बढ़ना मुश्किल हो जाएगा। इससे बेहतर जो काम है या जो काम मैं करना चाहती हूं, उस पर फोकस करूं। बाकी तो बहुत कुछ हो सकता था, पर मैं आज यहां पर हूं और अपने काम में मुझे मजा आ रहा है, इससे बड़ी बात और क्या होगी। हां, कभी कभी लगता है। जैसे, कोविड के वक्त मुझे लगा था कि सब खत्म हो गया। अब कुछ नहीं होगा। मैं अपना सामान पैक करके वापस घर चली जाऊंगी, मगर नहीं गए, टिके रहे और यहां पर टिके रहने का ही गेम है।

अक्षय ने 'वक्त' फिल्म से सीखा जीवन का सबसे बड़ा सबक

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों रियलिटी क्विज शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' की मेजबानी करते नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने अपने शो में सभी को समय की कीमत के बारे में अच्छे तरीके से समझाया। इस दौरान उन्होंने अमिताभ बच्चन की साथ में की फिल्म 'वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम' का जिक्र करते हुए कहा कि असल जिंदगी फिल्मों की तरह नहीं होती। दरअसल, इस फिल्म में ईश्वरचंद ठाकुर (अमिताभ बच्चन) एक जिम्मेदार पिता है जो अपने बिगड़े हुए बेटे आदित्य (अक्षय कुमार) को जीवन का सबक सिखाना चाहता है, लेकिन जब ईश्वरचंद को पता चलता है कि उसे कैंसर है, तो वह एक सख्त फैसला लेता है ताकि उसका बेटा जिम्मेदार बने। अक्षय ने बताया कि 'वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम' उनकी खास फिल्मों में से एक थी और इसकी एक लाइन ने उनकी जिंदगी बदल दी थी। अक्षय ने कहा, 'मैं आपको एक फिल्म बताता हूं, जो मेरी जिंदगी के लिए बहुत खास फिल्मों में से थी। उसका नाम था 'वक्त'। इस फिल्म में एक लाइन होती है, 'कोई बात नहीं बेटा है, सुधर जाएगा', लेकिन असलियत में ऐसा नहीं होता। हम अक्सर सोचते हैं कि कल सुधर जाएगा, बाद में कर लेंगे, लेकिन समय किसी का इंतजार नहीं करता।'

अक्षय ने आगे 'सूरज चमकते समय घास बनाने' की कहावत का भी जिक्र किया। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मौका मिलते ही काम कर लेना चाहिए, वरना बाद में पछतावा ही रह जाता है।

एक प्रतियोगी रोहित को संबोधित करते हुए अक्षय ने सीधे कहा, 'रोहित, मैं सच बता रहा हूं बेटा, वक्त किसी का इंतजार नहीं करता।'

अक्षय ने कहा, 'मैं बचपन से ही पढ़ाई में अच्छा नहीं था। इसलिए 14 साल की उम्र से ही काम करना शुरू कर दिया था, क्योंकि धीरे धीरे मुझे महसूस हुआ कि अपनी जिंदगी खुद संभालनी होगी।'

अक्षय ने अपने संदेश को एक मजबूत निष्कर्ष के साथ खत्म किया। उन्होंने कहा, 'मैं सबको यह कहना चाहता हूं कि कभी यह मत सोचिए कि सही वक्त आने पर कर लेंगे। अगर कुछ करना है तो आज ही शुरू कर दो। वरना वह काम कभी नहीं हो पाएगा। समय बहुत तेजी से गुजरता है और पीछे मुड़कर देखने पर सिर्फ अफसोस रह जाता है।'

साल 2005 में रिलीज हुई फिल्म 'वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम' विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्देशित एक सफल भावनात्मक बॉलीवुड पारिवारिक ड्रामा है, जिसमें अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा और शेफाली शाह ने अभिनय किया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस में काफी सफल रही थी।

'धुरंधर 2' से प्रभावित होकर राम गोपाल वर्मा ने 'सरकार' सीरीज टाली, बनाएंगे सिंडिकेट

फिल्म निर्माता-निर्देशक राम गोपाल वर्मा आदित्य धर की हालिया रिलीज फिल्म 'धुरंधर 2' से खासा प्रभावित हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बार फिर से फिल्म की तारीफ करते हुए उन्होंने अपने बचपन के सपनों के बारे में दिलचस्प बातें साझा कीं। साथ ही बताया कि अब 'सरकार' नहीं बल्कि 'सिंडिकेट' पर काम करना चाहते हैं। राम गोपाल वर्मा ने बताया कि 10 साल की उम्र में वह ऑटो रिक्शा ड्राइवर बनना चाहते थे, क्योंकि एक्सीलरेटर तेज होने पर निकलने वाली 'वूम-वूम' की आवाज उन्हें बहुत आकर्षित करती थी। एक लंबा नोट लिखते हुए राम गोपाल वर्मा ने कहा, ' बदलाव ही एकमात्र स्थिर चीज है जिसके साथ हम सब बड़े हुए। मेरे जीवन के शुरुआती सालों में सपने लगातार बदलते रहे। उन्होंने लिखा, 'जब मैं करीब 10 साल का था, तो ऑटो रिक्शा ड्राइवर बनना चाहता था। फिर 15 साल की उम्र में चचेरे भाई से प्रेरित होकर जंगल में रहना चाहा। कुछ साल बाद इंजीनियर बनने का सपना देखा, लेकिन फिर मन बदलकर डायरेक्टर बनने का फैसला किया।' फिल्म मेकर ने अपनी पढ़ने की आदतों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एनिड ब्लाइटन की किताबें उन्हें बहुत पसंद थीं, लेकिन जब जेम्स हैडली चेस के बारे में पता चला तो वे उन्हें सबसे शानदार लेखक लगे। बाद में फ्रेडरिक फोर्सिथ ने उन्हें और भी ज्यादा प्रभावित किया। उन्होंने लिखा कि नए अनुभव हमें बदलते हैं और हमारे बेंचमार्क को ऊंचा उठाते हैं, ऐसा होना भी चाहिए।अपनी फिल्मों के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि उनकी बेंचमार्क फिल्में 'द साउंड ऑफ म्यूजिक' (जिससे 'रंगीला' प्रेरित हुई), 'एक्सॉर्सिस्ट' (जिससे 'रात' और 'भूत') व 'गॉडफादर' (जिससे 'सत्या', 'कंपनी' और 'सरकार' सीरीज) रही हैं। उन्होंने मुख्य रूप से 'गॉडफादर' से प्रेरणा लेकर फिल्में बनाई। उन्होंने 'धुरंधर: द रिवेंज' की खूब तारीफ की। साथ ही कहा कि इस फिल्म ने उन्हें इतना प्रभावित किया कि उन्होंने 'सरकार' फ्रैंचाइजी की अगली कड़ी को टाल दिया है और अब 'सिंडिकेट' पर काम करने का फैसला किया है। राम गोपाल वर्मा ने लिखा, 'जानिए सिंडिकेट क्यों, सरकार क्यों नहीं? सिंडिकेट की कहानी इस सोच पर आधारित है कि क्या होगा अगर भारत का पूरी कानून-व्यवस्था एक दिन में ही ढह जाए? यह हॉरर फिल्म जैसी होगी, लेकिन कोई सुपरनैचुरल तत्व नहीं, बल्कि इंसानी दिमागों में छिपी भयानक चीजों को दिखाएगी। यह एक ऐसे संगठन की कहानी है जो इतना शक्तिशाली और संगठित हो जाता है कि देश के अस्तित्व के लिए खतरा बन जाता है।' राम गोपाल ने आगे बताया कि 'धुरंधर 2' देखने के बाद उनकी पुरानी फिल्में उन्हें कुछ भी नहीं लगतीं। अगर पहले 'गॉडफादर' उनका पैमाना था, तो अब 'धुरंधर 2' को वह 'गॉडफादर का भी गॉडफादर' मानते हैं। फिल्म के हर पहलू कहानी कहने का अंदाज, किरदार, बैकग्राउंड म्यूजिक, एक्शन और अदाकारी ने उन्हें पूरी तरह प्रभावित किया।

'मिस्टर इंडिया' का सीक्वल बनाना चाहते हैं इमरान खान

अनिल कपूर स्टारर 'मिस्टर इंडिया' अपनी रिलीज के 29 साल बाद भी दर्शकों के बीच काफी पॉपुलर है। फिल्म को हर पीढ़ी के दर्शक काफी पसंद करते हैं। कई बार फिल्म का सीक्वल बनाने की भी चर्चाएं उठीं। अब अभिनेता इमरान खान ने 'मिस्टर इंडिया' का रीमेक बनाने की इच्छा जताई है।

'मिस्टर इंडिया' के फैन रहे हैं इमरान

हाल ही में रेडिट के एक आस्क मी एनिथिंग सेशन में इमरान खान ने फैंस के अलग-अलग सवालों के जवाब दिए। इसी दौरान एक प्रशंसक ने इमरान खान से पूछा, 'अगर आपको कभी दुनिया के किसी भी इंडस्ट्री के किसी भी पॉपुलर किरदार (सुपरहीरो सहित) को अपने नजरिए से फिर से लिखने का मौका मिले, तो आप किसे चुनेंगे?'

इसके जवाब इमरान ने कहा कि यह सुनने में थोड़ा अजीब लगेगा, लेकिन कई साल से मेरा सपना रहा है कि मैं 'मिस्टर इंडिया' का सीक्वल बनाऊं। मैं इस फिल्म का बहुत बड़ा फैन रहा हूं। क्योंकि यह एक फिक्शनल कॉमिक बुक फिल्म को यथार्थवादी और इमोशनल रूप से मजबूत बनाने का एक बेहतरीन उदाहरण है। यह शानदार है। अनिल कपूर आज भी उतने ही अच्छे दिखते हैं जितने तब दिखते थे।

इमरान को पसंद है 'मिस्टर इंडिया' की मासूमियत

इसी दौरान इमरान से पूछा गया, ''मिस्टर इंडिया' एक महान किरदार हैं। उनकी यात्रा का आधुनिक रूप देखना बहुत रोमांचक होगा। इसलिए इसमें कुछ भी अजीब नहीं है। लेकिन क्या आप उसे एक हीरो वाला कैरेक्टर ही रखेंगे या एक क्लासिक विलेन के रूप में बदलने का जोखिम उठाना चाहेंगे?' इस पर इमरान ने कहा कि मेरे लिए इस किरदार की खूबसूरती उसकी ईमानदारी और आदर्शवाद में ही है। एक्टर ने कहा कि मुझे सच में लगता है कि मूल फिल्म में अनिल कपूर का जो आकर्षण और मासूमियत थी, उसे रीमेक में आप बखूबी निभा सकते हैं। मुझे जरूर बताएं कि मैं इसके लिए कहां साइन अप कर सकता हूं।

1987 में रिलीज हुई थी 'मिस्टर इंडिया'

शेखर कपूर द्वारा निर्देशित 'मिस्टर इंडिया' साल 1987 में रिलीज हुई थी। यह एक लोकप्रिय सुपरहीरो फिल्म है। इसमें अनिल कपूर ने अरुण वर्मा का किरदार निभाया है, जो एक वायलिन वादक है और अनाथ बच्चों का पालन-पोषण करता है।

11 साल बाद इस फिल्म में लीड एक्टर के तौर पर नजर आएंगे इमरान

इमरान खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में एक छोटी सी भूमिका में नजर आए थे। उनकी लीड हीरो के रूप में अगली फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' है। इस फिल्म के जरिए इमरान लगभग 11 साल बाद लीड एक्टर के तौर पर वापसी करेंगे।

प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी मोना सिंह वेब सीरीज 'मां का सम'

मोना सिंह और मिहिर आहूजा वेब सीरीज 'मां का सम' में एक साथ नजर आने वाले हैं। मोना और मिहिर के अलावा इस सीरीज में अंगिरा धर और रणवीर बराड़ भी अहम किरदार में नजर आएंगे। 'मां का सम' एक नई वेब सीरीज है। जिसका निर्देशन निकोलस खारकोंगोर ने किया है। इस सीरीज में मोना सिंह के साथ मुख्य भूमिका में मिहिर आहूजा नजर आएंगे। यह सीरीज 3 अप्रैल 2026 को प्राइम वीडियो रिलीज हो रही है।

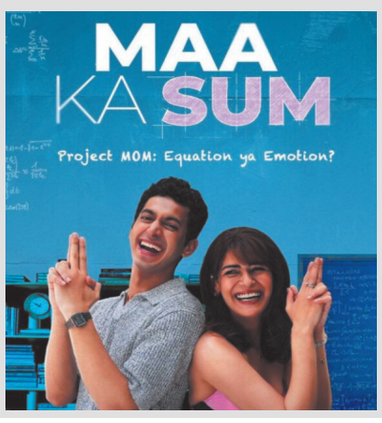

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।